सत्यमेव जयते

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
विकास कार्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2021–22

एमएसएमई–विकास एवं सुविधा कार्यालय
भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय
22 गोदाम औद्योगिक सम्पदा
जयपुर–302006 (राजस्थान)
दूरभाष:0141–2210553
वेबसाइटः www.msmedijaipur.gov.in; ई–मेल: dcdi-jaipur@dcmsme.gov.in

प्रस्तावना

एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर 1968 से राजस्थान में एमएसएमई के विकास के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है। संस्थान इस प्रयास में राज्य सरकार के साथ निकट समन्वय में कार्य करता है और एमएसएमई सरकार के मंत्रालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों को भारत के राजस्थान राज्य में लागू करता है।

वर्ष 2021–22 के लिए वार्षिक प्रदर्शन रिपोर्ट में वर्ष 2021–22 के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रम और गतिविधियां शामिल हैं। यहां यह उल्लेख करना है कि इस संस्थान ने कुल 27 ईएपी(पुरानी ईएसडीपी योजना के तहत 2 आई एम सी और नई ईएसडीपी योजना के तहत 25 ईएपी/आईएमसी (वाई)), एकल उपयोग प्लास्टिक उपयोग और निर्यात बढ़ाने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 10 वेबिनार, 03 राज्य स्तरीय विक्रेता विकास कार्यक्रम और ''संभव'' के 10 कार्यक्रम ई–राष्ट्रीय स्तर जागरूकता कार्यक्रम(एनएलएपी)) का आयोजन किया। इसके अलावा एमएसएमई योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने 16 मार्च, 2022 को एमएसएमई पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' प्रचार और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया है।

मैं श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक एवं श्री मनीष शर्मा, कनिष्ठ लिपिक को वर्ष 2021–22 के लिए इस वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार करने के लिए उनके द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों की सराहना करता हूं। मुझे आशा है कि यह दस्तावेज़ सभी संबंधितों द्वारा उपयोगी पाया जाएगा।

(विजय कुमार शर्मा)
संयुक्त निदेशक

स्थान–जयपुर।

एमएसएमई–विकास एवं सुविधा कार्यालय, जयपुर

संगठनात्मक संरचना

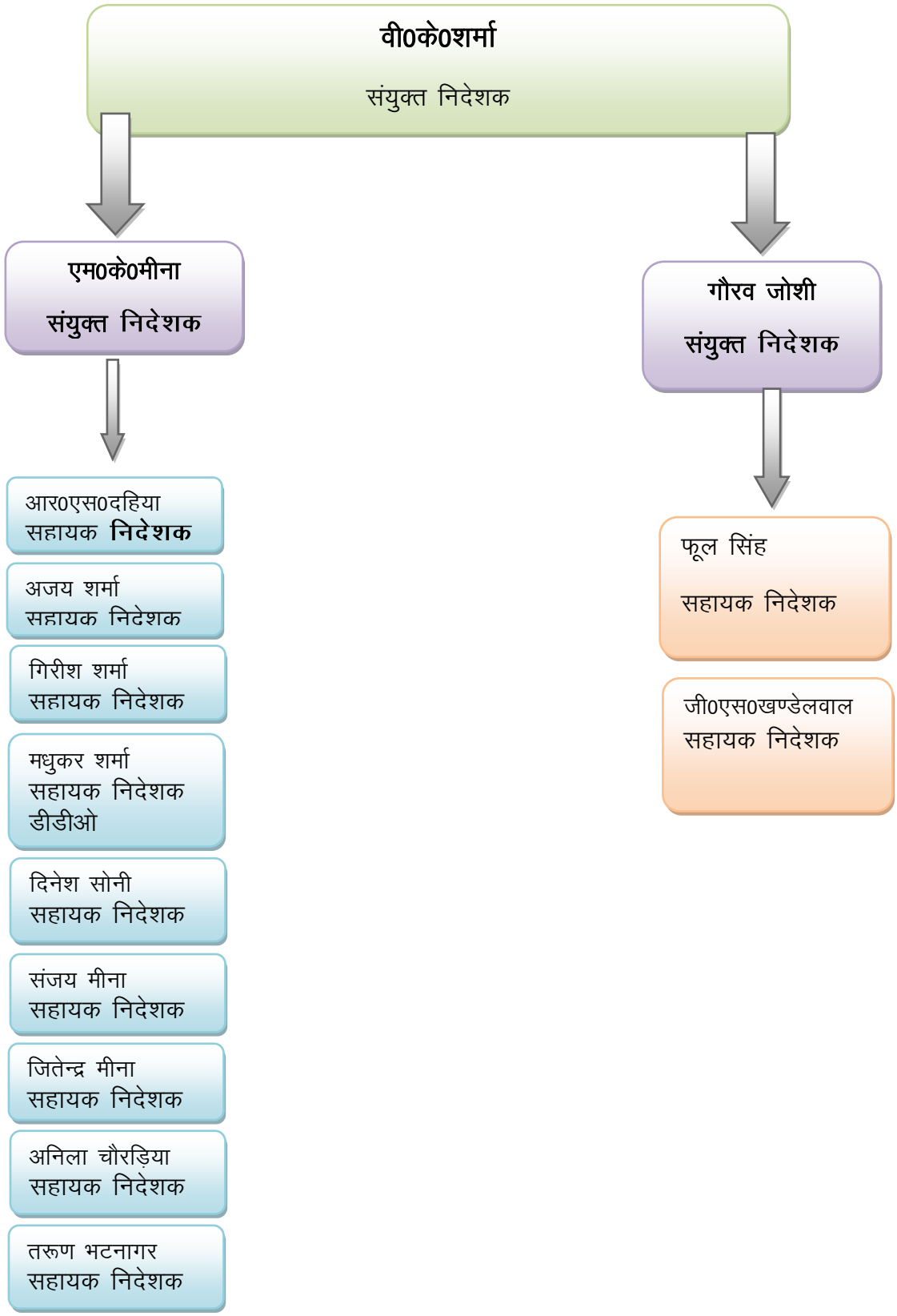

सारणी

विवरण	पृष्ठ संख्या

राज्य के बारे में	1.2
राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र का मानचित्र	3
राजस्थान के कारीगर समूह	4
राजस्थान में डीएमआईसी और डीएफसी	5
खण्ड– I: योजनानुसार गतिविधियां	
परिचय/योजनानुसार गतिविधियों पर एक नजर	6.8
क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी एवं तकनीकी अपग्रेडेशन योजन(सीएलसीएसएस–टीयूएस	9.13
प्रोक्योरमेंट एंड मार्केटिंग सपोर्ट योजना (पीएमएस)	14.15
एमएसई–क्लस्टर विकास कार्यक्रम	16.23
पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी	24
एमएसईएफसी/ग्रीवान्स/आईजीएमएस/आरटीआई/यूएएम	25
खण्ड– II: एन्टरप्रेन्योरशिप एवं स्किल डेवलेपमेंट प्रोग्राम	
औद्योगिक प्रेरक कार्यक्रमः युवा–ओल्ड ईएसडीपी योजना	28
उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी)/आईएमसी–वाई–न्यू ईएसडीपी योजना	28.31
खण्ड– III: अन्य प्रदर्शित गतिविधियां	
सम्भव–ई–राष्ट्र स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम(एनएलएपी)	33
भौगोलिक संकेत उत्पादों पर प्रगति रिपोर्ट	37.38
''आजादी का अमृत महोत्सव'' जागरूकता कार्यक्रम	38
निर्यात को बढ़ावा देने के लिए की गयी अन्य गतिविधियां	39.40
उद्यम विकास सेल(ईडीसी)	40.42
एमएसएमई वि.सं. द्वारा अन्य विविध गतिविधियां	43.51
राज्य चैंपियन्स कंट्रोल रूम	51.54
खण्ड–अ एमएसएमई–टेस्टिंग स्टेशन	58.63

1.राज्य के बारे में

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा (क्षेत्रफल–वार) उपमहाद्वीप के उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित है। यह उत्तर और उत्तर–पूर्व में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से और दक्षिण–पश्चिमम में गुजरात से घिरा हुआ है।

राजस्थान जैविक और अनुबंध खेती के साथ–साथ कृषि से संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्रों में जबरदस्त अवसर प्रदान करता है। राजस्थान चूना पत्थर, चांदी, सोना, तांबा, संगमरमर, बलुआ पत्थर, रॉक फॉस्फेट और लिग्नाइट का प्रमुख उत्पादक है। राज्य भारत में सीमेंट का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके 21 प्रमुख सीमेंट संयंत्र हैं, जिनकी कुल क्षमता 55 मिलियन प्रति वर्ष(एमटीपीए) है।

वर्ष 2021 के दौरान राजस्थान राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या 21.98 मिलियन घरेलू पर्यटक और 0.35 लाख विदेशी पर्यटक थे। ऐतिहासिक महल, विशेष रूप से जयपुर और उदयपुर में, वन्य जीवन अभयारण्यों और रेगिस्तानी स्थानों पर जाने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ, लक्जरी पर्यटन खंड का विस्तार करने के अवसर प्रदान करते हैं। औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए नीतिगत वातावरण अनुकूल रहा है। विश्व बैंक और केपीएमजी के एक अध्ययन के अनुसार, व्यापार करने में आसानी और सुधारों के कार्यान्वयन के आधार पर रैंकिंग में राजस्थान भारतीय राज्यों में छठे स्थान पर है।

Inside Story Headline

- **Area**: 3.42n Lac sq.km.
- **Capital**: Jaipur
- **District**: 33
- **Div**: 7
- **Sub. Div**: 244
- **Population**: 68.6 million
- **Sex ratio:** 928/1000
- **Density of population:** 200/sq km
- **Literacy**:66.1%
- **State Languages**:Marwari, Malvi, Mewari, Mewati, Wagdi, ShekhawatiJaipuri (Dhundhari), Hadoti, Hindi and English.
- **Key Industries**: Cement, Tourism, Ceramics, Handicrafts, Textile, Marble, Steel & IT.

ग: 3,42,67,365 हेक्टेयर
कुल फसली क्षेत्र: 2,50,13,704 हेक्टेयर
अधिक बोया गया क्षेत्र: 69,89,341 हेक्टेयर
शुद्ध बोया गया क्षेत्र: 1,80,24,363 हेक्टेयर
महत्वपूर्ण फसलें: अनाज, दलहन, तेल बीज, गन्ना व कपास

महत्वपूर्ण खनिजः–

राजस्थान भारत के सबसे बड़े खनिज उत्पादक राज्यों में से एक है। राज्य में लगभग 81 प्रकार के खनिज उपलब्ध हैं और 57 खनिजों का उत्पादन व्यावसायिक स्तर पर किया जाता है। यह संगमरमर, बलुआ पत्थर और ग्रेनाइट आदि जैसे आयामी और सजावटी

पत्थरों के उत्पादन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। राज्य में 2021–22 के दौरान उत्पादित सभी खनिजों का मूल्य 4159.13 करोड़ रूपये (दिसंबर 2021 तक)

राजस्थान सीसा और जस्ता अयस्क और सांद्र, सेलेनाइट और वोलास्टोनाइट का एकमात्र उत्पादक है। देश में चांदी, कैल्साइट और जिप्सम का लगभग पूरा उत्पादन राजस्थान से होता है। राजस्थान देश में बॉल क्ले, फॉस्फोराइट, गेरू, स्टीटाइट, फेलस्पर और फायर क्ले का भी प्रमुख उत्पादक है। यह संगमरमर, बलुआ पत्थर और ग्रेनाइट आदि जैसे आयामी और सजावटी पत्थरों के उत्पादन में भी देश में प्रमुख स्थान रखता है। राज्य भारत में सीमेंट ग्रेड चूना पत्थर का प्रमुख उत्पादक है। वर्ष 2018–19 के दौरान चूना पत्थर का उत्पादन 19.26 मिलियन टन तक पहुंच गया। देश में प्रमाणित चूना पत्थर के भंडार में राज्य की हिस्सेदारी लगभग 26 प्रतिशत है।

संभावित उद्योगः–

कृषि आधारितः कृषि उपकरण, मक्के का आटा, स्टार्च, ब्रेड और बिस्कुट, भोजन, गौरगोंद ,पापड़, अनाज की ग्रेडिंग, भुजिया, दालें और मसाले।

खनिज आधारितः सीमेंट ग्रेड लाइम स्टोन, केमिकल ग्रेड लाइम स्टोन, रॉक फॉस्फेट, चाइना क्ले, बॉल क्ले, कैल्साइट, सोप स्टोन, जिप्सम, गार्नेट, लिग्नाइट, पोटाश, क्वार्ट्ज और सिलिका।

पहचाने गए उद्योगः एग्रो उत्पाद में वैल्यू एडिशन, रिटॉर्ट पैकेजिंग, रेडी टू ईट वेजिटेबल्स एंड फ्लेवर्ड मिल्क, सेरामिक्स टेबलवियर, क्वार्ट्ज स्लैब, बायो फर्टिलाइजर, फार्मास्यूटिकल्स, ई–वेस्ट मैनेजमेंट, आर.एफ.लिंक, पॉलिमर–इंसुलेटर, जीएसएस ऑटोमेशन, बायो डिग्रेडेबल डिस्पोजेबल, गाय के गोबर पेंट और पेपर, लिथियम बैटरियों का रीसायकल, रोटोमोल्ड वाटर टैंक, एचडीपीई पाइप्स, रूफटॉप सोलर पावर प्लांट्स, अंडरग्राउंड केबलिंग, ऑक्सीजन प्लांट्स की मरम्मत और रख–रखाव, लॉजिस्टिक सर्विसेज, औद्योगिक भंडारण सेवाएं, चिकित्सा पर्यटन, ऑटोमोबाइल और घटक, वस्त्र रत्न, और आभूषण, हस्तशिल्प आदि।

राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र मानचित्र

राजस्थान के कारीगर समूह

राजस्थान में डीएमआईसी और डीएफसी

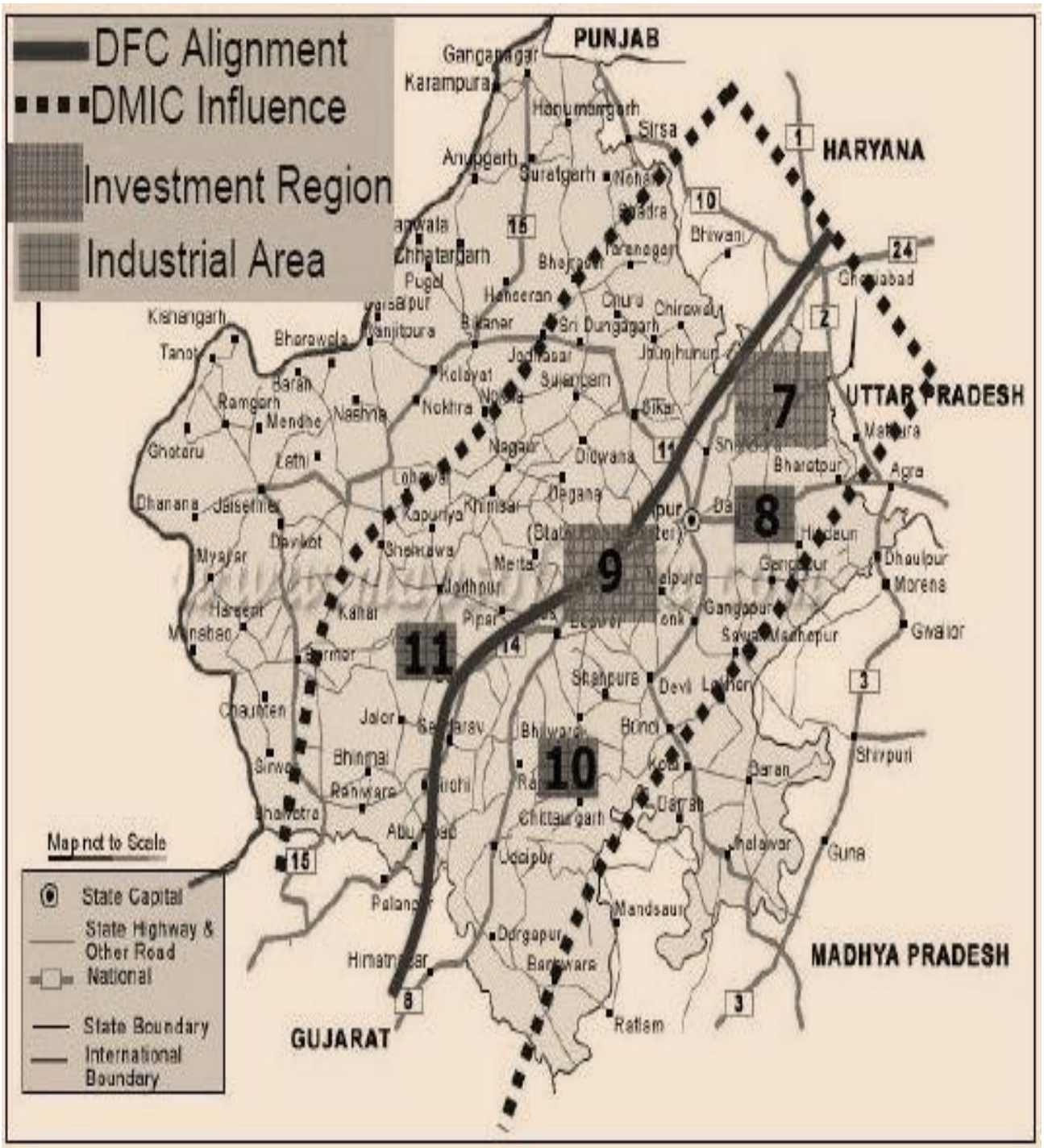

Location Map for Proposed Development Nodes in DMIC-Rajasthan

खण्ड – 1

योजनानुसार गतिविधियां

परिचय

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र पिछले पांच दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था के अत्यधिक जीवंत और गतिशील क्षेत्र के रूप में उभरा है। यह उद्यमिता को बढ़ावा देकर औश्र कृषि के बाद तुलनात्मक रूप से कम पूंजी लागत पर बड़े रोजगार के अवसर पैदा करके देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। एमएसएमई सहायक इकाइयों के रूप में बड़े उद्योगों के पूरक हैं और यह क्षेत्र देश के समावेशी औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। एमएसएमई अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों के में अपने डोमेन का विस्तार कर रहे हैं, घरेलू और वैश्विक बाजारों की मांगों को पूरा करने के लिए उत्पादों और सेवाओं की विविध रेंज का उत्पादन कर रहे हैं।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई)–विकास संस्थान, जयपुर, वित्तीय सहायता के उददेश्य से विभिन्न योजनाओं के प्रचार और विकास के लिए राजस्थान राज्य में विकास आयुक्त (एमएसएमई) कार्यालय के तहत एमएसएमई मंत्रालय का क्षेत्रीय कार्यालय है। एमएसएमई की प्रौद्योगिकी सहायता और उन्नयन, बुनियादी ढांचे का विकास, कौशल विकास और प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और बाजार सहायता मंत्रालय द्वारा तैयार की गयी है।

नया वर्गीकरण 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी हो गया है। एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 के तहत एमएसएमई के वर्गीकरण का पूर्व मानदंड संयंत्र और मशीनरी/उपकरण में निवेश पर आधारित था। यह विनिर्माण और सेवा इकाइयों के लिए अलग था। यह वित्तीय सीमाओं की दृष्टि से भी बहुत कम था। तब से, अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 13 मई, 2020 को आत्मनिर्भर भारत पैकेज में वर्गीकरण के एमएसएमई मानदंड में संशोधन की घोषणा की गई थी। केवल संयंत्र और मशीनरी में निवेश के आधार पर पिछले मानदंड वर्गीकरण में कारोबार का एक नया मानदंड जोड़ा गया है। नए मानदंड से कई लाभ मिलने की उम्मीद है जो एमएसएमई को आकार में बढ़ने में मदद करेंगे। यह भी निर्णय लिया गया है कि निर्यात के संबंध में कारोबार को एमएसएमई इकाइयों की श्रेणी के लिए कारोबार की सीमा में नहीं गिना जाएगा, चाहे वह सूक्ष्म, लघु या मध्यम हो। यह कारोबार सुगमता की दिशा में एक और कदम है। इससे निवेश आकर्षित करने और एमएसएमई क्षेत्र में अधिक रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

एमएसएमई– विकास संस्थान, जयपुर राजस्थान राज्य में मौजूदा और साथ ही नए संभावित उद्यमों को तकनीकी–प्रबंधकीय सहायता प्रदान कर रहा है। संस्थान संभावित उद्यमियों को प्रेरित करके और मौजूदा उद्यमियों को व्यापार विशिष्ट प्रभागों क अपने बहु–आयामी सेट–अप के माध्यम से सहायता करके औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। मैकेनिकल/धातुकर्म/रसायन/विद्युत विभाग आदि औद्योगिक प्रबंधन प्रशिक्षण विभाग और आर्थिक जांच प्रभाग, तकनीकी, आर्थिक और प्रबंधकीय समाधान प्रदान करने वाले तकनीकी अधिकारियों से लैस एमएसएमई परीक्षण सीमेंट/टीएमटी स्टील बार/ सी.सी के लिए परीक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। घन/कागज/भवन निर्माण सामग्री/ईंट आदि तथा निर्माण कार्य से संबंधित कई अन्य कार्य। इसके अतिरिक्त एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर में बौद्धिक सम्पदा सुविधा सेल (आईपीएफसी), एंटरप्राइज डेवलपमेंट सेल(ईडीसी), और एक्सपोर्ट

फैसिलिटेशन सेल(ईएफसी)है, जो बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), निर्यात और खुद का उद्यम शुरू कैसे करें के क्षेत्र में हैंडहोल्डिंग और सुविधा सहायता प्रदान करता है।

AT A GLANCE COMPLETED DURING THE YEAR: 2021-22

S. No.	Particulars	Nos. of Programmes
1.	**Industrial Motivational Campaigns (IMCs) Under Old ESDP scheme**	**02**
2.	**Enterprenuership Awareness Programme (EAPs) –IMC-Y**	**25**
3.	**State Level Vendor Development Programme**	**03**
4.	**"Sambhav" e- National Level Awareness Program (NLAP)**	**10**
5.	**Publicity & Awareness Programme on MSME (Azadi Ka Amrit Mahotsav)**	**1**
6.	**Webinar/Awareness Programme/Workshop on Export**	**4**
	Webinar/Awareness Programme/Workshop on Single use Plastic	**6**
7.	**Swachhta Action Plan**	**4**
8.	**MSE-CDP scheme**	
	i. Upgradation of Industrial Estate (ongoing)	**7**
	ii. Proposal under submission	**1**

REVENUE DURING THE YEAR 2021-22

S. No	Activity	Total (in Rs)
(i)	Revenue of MSME-DI, Jaipur	1,41,736/-

(i)	**Revene of MSME-TS Jaipur**	**65,37,279/-**
a.	% Self sufficiency	68.29%
b.	No of jobs	3312
c.	No of Test conducted	18357
d.	No of MSME benefited	185
e.	Other Units Benefitted	574

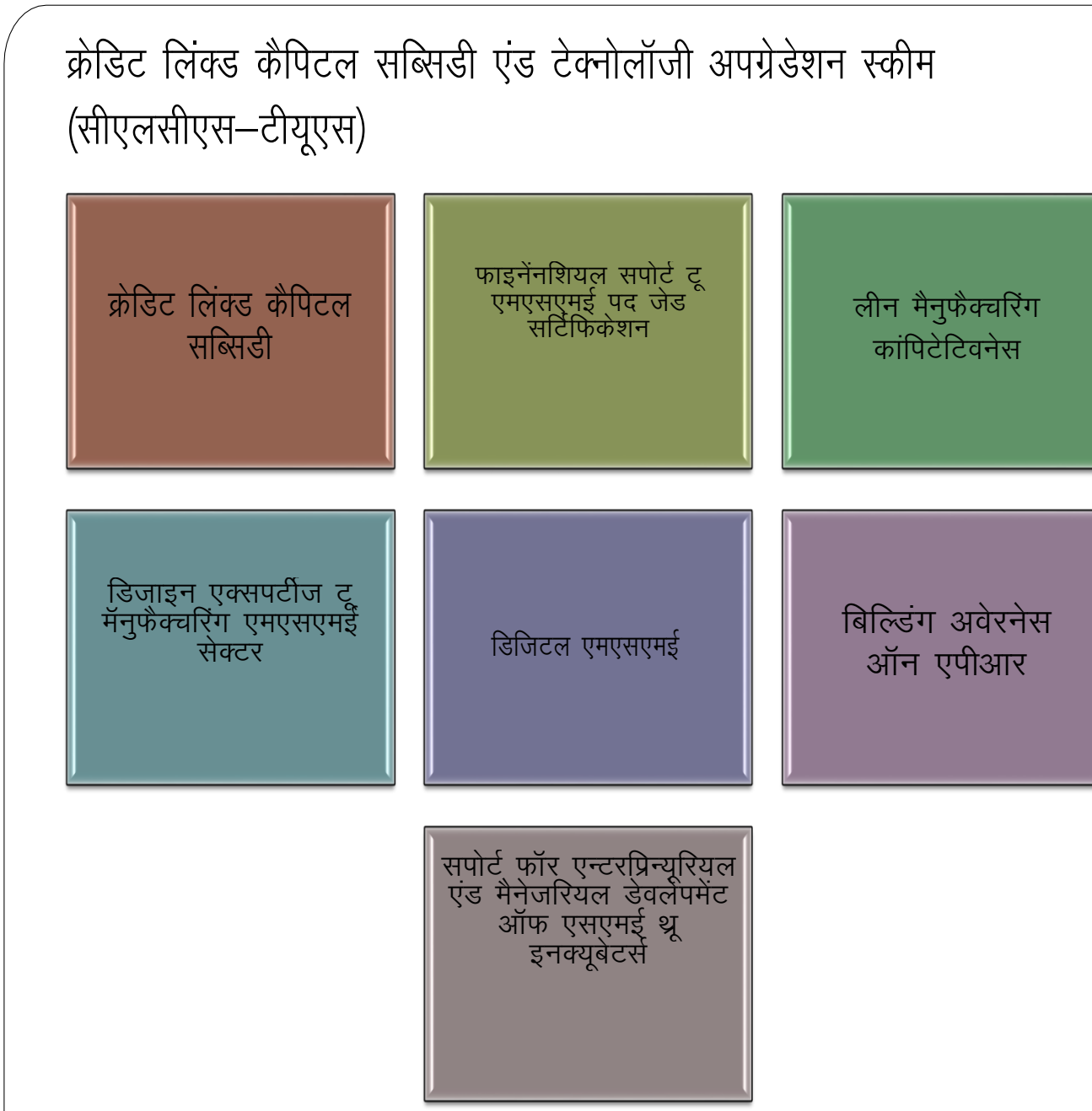

अ. बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)

एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर की आईपीएफसी द्वारा की गयी गतिविधियां–

1. अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, जयपुर ने वस्त्र समिति और विकास आयुक्त, हस्तशिल्प, कपड़ा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 16 जुलाई, 2021 को ''जी आई और

पोस्ट जी आई पहल के माध्यम से अद्वितीय वस्त्रों और हस्तशिल्प उत्पादों के आईपीआर संरक्षण'' पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

2. आईपीएफसी सेल, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर आईपीएफसी डीएसटी राजस्थान और विकास आयुक्त कार्यालय, एमएसएमई द्वारा आयोजित आईपी आर वेबिनार में भाग लिया और एसएमई के लिए ''एसएमई बिजनेस स्ट्रैटजी के लिए आईपी के रूप में इंटीग्रल टूल , एक सामान्य अवलोकन'' 30 अप्रैल को भाग लिया। 2020 वेबिनार के अतिथि वक्ता थे– सुश्री कंचन जुत्शी, सचिव पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ,नई दिल्ली और श्री गौरव गोगिया यूनाइटेड आईपी आर नई दिल्ली के सीनियर एसोसिएट।

3. आईपीएफसी सेल ने 29 मई, 2020 को डीएसटी, राजस्थान सरकार द्वारा आईपीएफसी में नई परियोजनाओं और गतिविधियों को शुरू करने और राजस्थान राज्य में आईपी विकसित करने के लिए निकट सहयोग में काम करने के लिए आयोजित ऑनलाइन बैठक में भाग लिया। बैठक में सुश्री मुग्धा सिन्हा, आईएएस, सचिव, डीएसटी, श्री मुक्तानंद अग्रवाल, उद्योग आयुक्त, राजस्थान सरकार, श्री सतीश कुमार, सहायक निदेशक, विकास आयुक्त कार्यालय, श्रीमती अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर डॉ मनु सिकावर, परियोजना निदेशक, डीएसटी, राजस्थान ने भाग लिया।

4. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने 25 जून 2020 को सांगाने र हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग को–आपरेटिव सोसायटी के साथ एक संवादात्मक बैठक की। बैठक उप निदेशक, विकास गुप्ता, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सहकारी समिति के अध्यक्ष राम सिंह खंडेलवाल, मृदुला चंद्रा, तकनीकी सलाहकार, श्री रोहित जैन, आईपीआर अटॉर्नी ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य जीआई को मजबूत करना और इसकी सदस्यता बढ़ाना था। साथ ही कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

5. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने जीआई के लिए बाजार के अवसर पैदा करने के लिए रोडमैप विकसित करने, उन्हें ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के लिए लिंकेज प्रदान करने और क्षमता की पहचान करने के लिए वाणिज्य विभाग, एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से 15 दिसंबर, 2020 को देश भर में जीआई पंजीकरण के लिए उत्पाद भौगोलिक संकेत को बढ़ावा देने पर परामर्श करने के लिए वीसी में भाग लिया।

6. आईपीएफसी, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर के माध्यम से कई इकाइयों को इसकी स्थापना के बाद से ट्रेडमार्क और डिजाइन और पेटेंट के लिए अवगत और प्रेरित किया गया। इस वित्तीय वर्ष 2021–22 में ट्रेडमार्क के लिए 204 इकाइयां भरी गईं, जिनमें से 39 एमएसएमई इकाइयां थीं। अधिक से अधिक अयस्क इकाइयों को आईपीएफसी जयपुर के माध्यम से प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करने के लिए अवगत कराया जा सकता है, जिससे अधिक से अधिक एमएसएमई को आईपी के दायरे में

लाया जा सके। इस वित्तीय वर्ष में एमएसएमई नवाचार योजना से 5 इकाइयां लाभान्वित हुई हैं।

ब. बिजनेस इनक्यूबेशन योजना

इनक्यूबेटरों के माध्यम से एसएमई का व्यावसायिक उद्यमिता और प्रबंधकीय विकासः

उभरते तकनीकी और ज्ञान आधारित नवीन उद्यमों को बढ़ावा देना जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की पारंपरिक गतिविधियों से परे पेशेवरों से विचार का पोषण करना चाहते हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति की अप्रयुक्त रचनात्मकता को बढ़ावा देना और समर्थन करना है और विनिर्माण के साथ–साथ ज्ञान आधारित नवीन एमएसएमई (उद्यम) में नवीनतम तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा देना है जो अवधारणा स्तर के प्रमाण पर अपने विचारों की पुष्टि चाहते हैं। यह योजना एनेबलर्स के साथ जुड़ाव का भी समर्थन करती है जो ऐसे एमएसएमई को डिजाइन, रणनीति और निष्पादन में समर्थन देकर व्यवसाय के विस्तार में सलाह देंगे। एनेबलर्स एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और व्यवसाय विकास का अभिन्न अंग होंगे। योजना के मुख्य लाभ नीचे दिए गए हैं–

वाणिज्यिक उत्पादों में अभिनव स्केलेबल या प्रौद्योगिकी संचालित व्यापार विचार के विकास के लिए 15 लाख रूपए तक की वित्तीय सहायता।

बिजनेस इनक्यूबेटरों (मेजबान संस्थानों) को रूपए 100 लाख तक की आधारभूत संरचना का समर्थन, जो वहां इनक्यूबेट किए जा रहे नवीन विचारों की संख्या पर निर्भर करता है।

बिजनेस इनक्यूबेशन योजना के तहत संपन्न गतिविधियां–

1) एमएसएमई बिजनेस इनक्यूबेशन स्कीम के तहत 17 अगस्त 2021 को एमएसएमई विकास संस्थान–जयपुर के अधिकारियों (श्री गौरव जोशी, संयुक्त निदेशक, श्री आर.एस.दहिया, सहा. निदेशक, सुश्री अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, मेजबना संस्थान/व्यवसाय इनक्यूबेटर के रूप में अनुमोदन के लिए निरीक्षण के लिए) द्वारा मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर का दौरा किया गया।

2) एमएसएमई बिजनेस इनक्यूबेशन स्कीम के तहत 17 अगस्त 2021 को एमएसएमई विकास संस्थान–जयपुर के अधिकारियों (श्री गौरव जोशी, संयुक्त निदेशक, श्री आर.एस.दहिया, सहा. निदेशक, सुश्री अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, मेजबना संस्थान/व्यवसाय इनक्यूबेटर के रूप में अनुमोदन के लिए निरीक्षण के लिए) द्वारा जे.के.लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय, जयपुर का दौरा किया गया।

3) एमएसएमई बिजनेस इनक्यूबेशन स्कीम के तहत 06 अक्टूबर, 2021 को एमएसएमई विकास संस्थान–जयपुर के अधिकारियों (श्री गौरव जोशी, संयुक्त निदेशक, श्री आर.एस.दहिया, सहा. निदेशक, श्री तरूण भटनागर, सहायक निदेशक, मेजबना संस्थान/व्यवसाय इनक्यूबेटर के रूप में अनुमोदन के लिए निरीक्षण के लिए) द्वारा मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ का दौरा किया गया।

राजस्थान सरकार में अब तक 17 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को मेजबान संस्थाान/बिजनेस इनक्यूबेटर के रूप में स्वीकृत किया गया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

1	सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय	राजस्थान	उदयपुर
2	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट उदयपुर	राजस्थान	उदयपुर
3	कौटिल्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, जयपुर	राजस्थान	जयपुर
4	बनस्थली विद्यापीठ	राजस्थान	टोंक
5	राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वीमेन	राजस्थान	जयपुर
6	जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर	राजस्थान	जयपुर
7	संगम विश्वविद्यालय	राजस्थान	भीलवाड़ा
8	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जोधपुर	राजस्थान	जोधपुर
9	स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान	राजस्थान	जयपुर
10	विवेकानंद ग्लोबल विश्वविद्यालय	राजस्थान	जयपुर
11	आर्या इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर	राजस्थान	जयपुर
12	मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर	राजस्थान	जयपुर
13	आर्या कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड आई टी	राजस्थान	जयपुर
14	आई आई एस डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी	राजस्थान	जयपुर
15	मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर	राजस्थान	जयपुर
16	जे के लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय	राजस्थान	जयपुर
17	मेवाड़ विश्वविद्यालय	राजस्थान	चित्तौड़गढ़

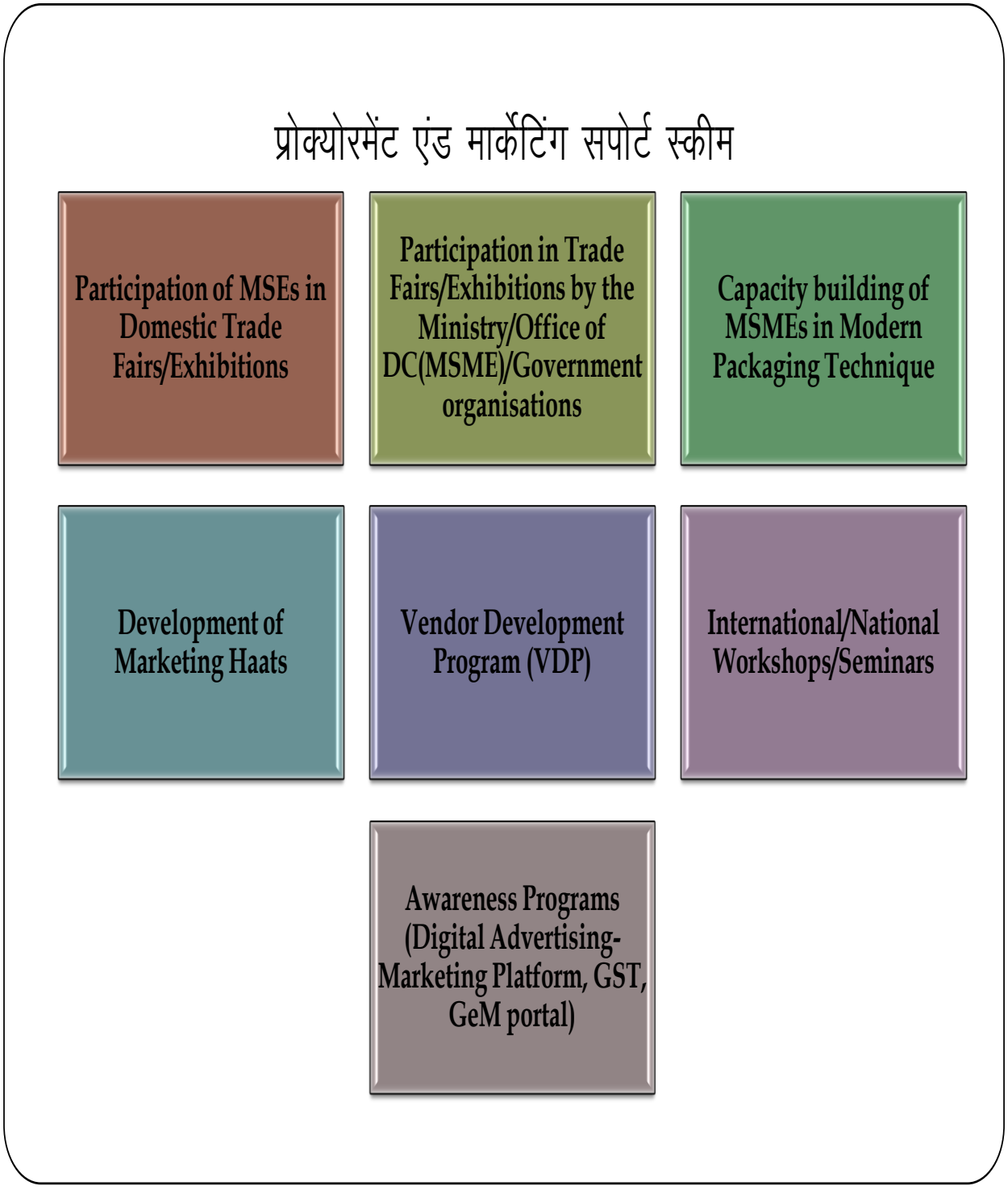

प्रोक्योरमेंट एंड मार्केटिंग सपोर्ट स्कीम

स.) डोमेस्टिक ट्रेड फेयर/प्रदर्शिनियों में एमएसई की प्रतिभागिता

प्रदर्शिनियों में भागीदारी शुल्क की प्रतिपूर्ति (पीएमएस योजना के तहत घटक 5ए का घरेलू मेला) संस्थान ने राज्य की एमएसएमई इकाइयों को विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विवरण इस प्रकार है–

क्र. स.	मेले का नाम	अवधि/स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	जयपुर ज्यूलरी शो	24–25 दिसंबर, 2021 जयपुर	29
2	स्वयंसिद्धा हस्तशिल्प	8–10 अक्टूबर, 2021 जयपुर	79
3	एचजीएच इंडिया 2021	30.11.2021–03.12.21 ग्रेटर नोएडा	10
4	इंडिया इंटरनेशनल ज्यूलरी शो	18–21 फरवरी 2022, मुंबई	38
5	स्वयं सिद्धा हस्तशिल्प	25–27 फरवरी 2022	45

द.) राज्य स्तरीय वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम (एसवीडीपी)

1. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से 31 अगस्त,2021 को ''इंडियन ऑयल में खरीद नीति और विक्रेता चयन प्रक्रिया'' पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से 10 अक्टूबर, 2021 को ''इंडियन ऑयल में खरीद नीति और विक्रेता चयन प्रक्रिया'' पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 28 अक्टूबर, 2021 को चक्सू, जयपुर में ''इंडियन ऑयल में खरीद नीति और विक्रेता चयन प्रक्रिया'' पर एसवीडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया और एमएसएमई योजनाओं पर भाषण दिया।

य.) एमएसई क्लस्टर विकास कार्यक्रम

सूक्ष्म, लघु और क्लस्टर उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई), भारत सरकार ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों की क्षमता निर्माण के साथ–साथ उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक प्रमुख रणनीति के रूप में क्लस्टर विकास दृष्टिकोण को अपनाया है। इकाइयों का क्लस्टरिंग बैंकों और क्रेडिट एजेंसियों सहित उन्हें विभिन्न सेवाओं के प्रदाताओं को अपनी सेवाएं अधिक किफायती रूप से प्रदान करने में सक्षम बनाता है, इस प्रकार लागत कम करता है और इन उद्यमों के लिए सेवाओं की उपलब्धता में सुधार करता है।

2021–22 के दौरान एमएसई–सीडीपीके तहत की गई गतिविधियां

Activities carried out under MSE-CDP during 2020-21

1- Clusters Undertaken for the Interventions

S. No.	Name of cluster	Cluster Location	Interventions carried out during the year
1.	GotaZari Lace cluster, Ajmer	Ajmer	• The purchase committee met number of times for purchase of Machinery & equipment for recommendations, as constituted by the State Govt. under the chairmanship of Dist. Collector, Ajmer. • MSME DI Jaipur officers attended the meetings as a member of purchase committee meant for recommending the purchase of plant and machinery. • The Second phase of Procurement and Installation of Machinery of CFC Ajmer completed. • The Implementing agency requested for Third phase of installment
2.	Stone Cutting and Polishing Cluster	Jhalawar	• The CFC project on Stone Cutting and Polishing Jhalawar has been approved by State Level Empowered Committee of Cluster on 26th October 2020. • The CFC project on Stone Cutting and Polishing Jhalawar approved by Techno Economic Appraisal Committee of Cluster on 25th October 2020.
3.	Musturd Oil Mill Cluster Shivganj	Sirohi	• Concept Note Prepared by MSME-DI Jaipur • SPV formed for applying CFC Proposal
4	Wooden Handicraft Cluster	Jodhpur	• Concept Note Prepared by MSME-DI Jaipur • SPV formed for applying CFC Proposal

2– बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाः–

ए) लघु और ग्रामीण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की एकीकृत बुनियादी ढांचा विकास योजना को मार्च 1994 में अंतिम रूप दिया गया था। यह योजना मूल रूप से लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पिछड़े क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रदान करती है। राज्य सरकार ने परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और उनके कार्यान्वयन के लिए रीको को नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया।

05 करोड़ तक के व्यय वाली परियोजना के लिए वित्त के साधन हैं–

ए) केंद्र सरकार का अनुदान रू0 2.00 करोड़
(भारत सरकार द्वारा व्यय कार्य का 40 प्रतिशत अनुमोदित)

बी) सिडबी या कार्यान्वयन एजेंसी के फंड से ऋण रू0 3.00 करोड़

कुल रू0 5.00 करोड़

पुरानी योजनाओं के अनुसार स्वीकृत एवं पूर्ण की गई परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है–

S. No	Name of IID Centre and date of sanction	Project Cost as approved by SIDBI	Status of Grant by GOI		Expenditure incurred	Status
			Sanctioned	Disbursed (40% of the expenditure work approved by GOI)		
1	Setting up of IID Centre at Sangaria, Jodhpur Aug 1994	492.50	197.00	197.00	505.56	Completed (05.11.2008)
2	Setting up of IID Centre at Nagaur (Gogelao) 05.03.1997	501.74	200.00	100.00	278.46	Completed (05.11.2008)
3	Setting up of IID Centre at Newai, Tonk 31.03.1998	500.06	200.00	167.77	428.53	Completed (05.11.2008)
4	Setting up of IID Centre at Kaladwas, Udaipur 09.11.1998	500.00	200.00	125.00	496.82	Completed (30.09.2008)
5	Setting up of IID Centre at Falna, Pali 10.07.2003	455.13	182.05	111.64	363.96	Completed (30.09.2010)
6	Setting up of IID Centre at Hindaun City, Karauli 10.07.2003	372.17	148.86	106.52	413.12	Completed (31.03.2009)
7	Setting up of IID Centre at Baran 10.11.2003	463.94	185.57	117.33	934.15	Completed (31.03.2009)
8	Setting up of IID Centre at Bayana, Bharatpur 03.02.2004	379.87	151.95	100.44	334.73	Completed (24.10.2008)
9	Setting up of IID Centre at Khushkhera, Alwar 06.08.2004	729.22	200.00	190.00	836.36	Completed (30.09.2008)
	Total	4394.63	1665.43	1215.7	4591.69	

बी) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने 10.02.2010 के कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यम विकास के दिशानिर्देशों में संशोधनों को मंजूरी दी है। संशोधित दिशा निर्देश क्लस्टर में है। क्लस्टर विकास के लिए टीएम/युएनडी/2005 दिनांक 14 मार्च, 2006 और 2(1)/90–प्लग के लिए जारी दिशा–निर्देशों का दमन। दिनांक 7 मार्च 1994 को इस संबंध में बाद के स्पष्टीकरण/आदेशों सहित।

रू0 10 करोड़ की लागत वाले बजट के लिए वित्त के साधन हैं–

1. केंद्र सरकार का अनुदान (भारत सरकार द्वारा अनुमोदित व्यय कार्य का60–80 प्रतिशत) — रू0 8.00 करोड़
2. कार्यान्वयन एजेंसी का हिस्सा — रू0 2.00 करोड़

रू0 10.00 करोड़

नोटः– भारत सरकार का अनुदान रू.10 करोड़ की परियोजना लागत के 60**%** तक सीमित होगा। भारत सरकार का अनुदान 50**%** से अधिक के साथ पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के औद्योगिक क्षेत्रों/सम्पदाओं में परियोजनाओं के लिए 80**%** होगा ए) सूक्ष्म बी) महिलाओं के स्वामित्व वाली सी) एससी/एसटी इकाइयां । नई साइट के विकास के लिए घटकों का विवरण अनुबंध–ए में दिया गया है। मौजूदा क्लस्टरों के लिए उन्नयन प्रस्ताव वास्तविक आवश्यकताओं पर आधारित होंगे।

सी) पूर्ण परियोजनाओं की स्थितिः–

नई संशोधित योजना के अनुसार राज्य में अब तक 26 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 19 पूरी हो चुकी हैं। विवरण नीचे दिए गए हैं–

S. No	**Name of IID Centre and date of sanction**	**Project Cost as approved by SIDBI**	**Status of Grant by GOI**		**Expenditure incurred**	**Status**
			Sanctioned	**Disbursed** (40%-80% of the expenditure work approved by GOI)		
1	Up-gradation of existing IID Centre I.A. Shilpgrampal Jodhpur. 09.02.2011	222.36	133.42	130.21	232.19	**Completed (31.10.2014)**
2	Setting up IID Centre, I.A. Palsana, Sikar 09.02.2011	455.15	273.09	273.09	462.55	**Completed (31.03.2015)**

S. No	Name of IID Centre and date of sanction	Project Cost as approved by SIDBI	Status of Grant by GOI		Expenditure incurred	Status
			Sanctioned	Disbursed (40%-80% of the expenditure work approved by GOI)		
3	Up-gradation of existing I.A. Phase- I & II Balotra, Distt- Barmer 24.09.2012	1050.32	222.00	222.00	1050.32	**Completed (28.09.2015)**
4	Setting up of IID Centre I.A. Bichwal, Bikaner. 09.02.2011	641.00	384.60	361.47	602.45	**Completed (13.05.2016)**
5	Setting up of IID Centre at Kishanghat I.A. Jaisalmer. 04.10.2010	472.00	283.00	281.93	469.89	**Completed (30.06.2018)**
6	Setting up of IID Centre at 13 LNP I/A Sriganganagar 09.10.2015	3200.00	400.00	317.42	2539.41	**Completed (31.12.2018)**
7	Upgradation of I.A. Balotra Phase-III 30.08.2018	529.20	392.54	303.28	408.87	**Completed (16.01.2020)**
8	Upgradation of Industrial Estate at Behror, Alwar 14.03.2018	673.08	403.85	**230.05**	383.42	**Completed (05.08.2020)**
9	Up-gradation of Industrial Estate at Ajeetgarh, Sikar 08.08.2019	514.90	255.86	**161.40**	324.82	**Completed (20.11.2020)**
10	Up-gradation of Industrial Estate at MTC Ajmer 05.03.2020	155.11	108.57	**68.93**	98.48	**Completed on 16.11.2020**
11	Up gradation of Industrial Estate at Sanwar, Udaipur 08.08.2019	419.23	294.22	**226.64**	322.95	**Completed on 23-09-2020**
12	Up-gradation of Industrial Estate at Sirohi Road, Sirohi 09.10.2019	518.87	331.63	**189.70**	296.82	**Completed on 05-08-2020**
13	Up-gradation of Industrial Estate at IGC Parbatsar,	477.92	334.54	104.99	252.58	**Completed on 06.02.2021**

S. No	Name of IID Centre and date of sanction	Project Cost as approved by SIDBI	Status of Grant by GOI		Expenditure incurred	Status
			Sanctioned	Disbursed (40%-80% of the expenditure work approved by GOI)		
	Nagaur 05.03.2020					
14	Up-gradation of Industrial Estate at Baran 05.03.2020	424.33	303.86	143.21	282.32	**Completed on 03.02.2021**
15	Up-gradation of Industrial Estate at Malpura, Tonk 05.03.2020	**677.27**	414.30	74.15	368.61	**Completed on 23.03.2021**
16	Up-gradation of Industrial Estate at Makrana, Nagaur 05.03.2020	331.84	230.19	149.86	194.59	**Completed on 31.01.2021**
17	Up-gradation of Industrial Estate at Peepalwa, Banswara 05.03.2020	497.62	290.07	199.99	249.99	**Completed on 11.06.2021**
18	Up-gradation of Industrial Area ZadriFalna, Pali 27-10-2020	559.77	308.19	200.00	294.77	**Completed on 23.03.2021**
19	Up-gradation of Industrial Area Kekri, Ajmer 01.10.2020	455.61	267.05	200.00	236.79	**Completed on 04.08.2021**

डी) जारी परियोजनाओं की स्थितिः–

नई संशोधित योजना के अनुसार राज्य में अब तक 26 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 07 प्रगति पर हैं। विवरण नीचे दिए गए हैं–

S.	Name of IID	Eligi	RIICO	Status of Grant by GOI	(Ex	Exp.	Exp.i	Status

No	Centre And date of sanction	ble Cost approved under MSE-CDP	Contribution	Sanctioned	Disbursed (60%-80% of the expenditure work approved by GOI)	p.) on 31.03.21	during the year 21-22	ncurred upto March 2022	
1	Up-gradation of Industrial Area Bhinmal,Jalore 01.10.2020	620.76	205.45	415.31	200.00	0.00	33.43	33.43	Under Implementation
2	Up-gradation of Industrial Estate at Jaisalmer 01.10.2020	562.87	210.87	352.00	200.00	0.00	311.85	311.85	Under Implementation
3	Up-gradation of Industrial Area Nimbahera, Chittorgarh 01.10.2020	525.32	248.05	277.27	200.00	34.90	258.69	293.59	Under Implementation
4	Up-gradation of Industrial Area Renwal, Jaipur 01.10.2020	332.78	139.78	193.00	151.88	0.00	117.31	117.31	Under Implementation
5	Up-gradation of Industrial Area at BoranadaPh-IV, Jodhpur 27.10.2020	997.40	589.92	407.48	200.00	0.00	424.00	424.00	Under Implementation
6	Up-gradation of Industrial Area Odela, Dholpur 27.10.2020	400.04	142.98	257.06	200.00	6.75	81.45	88.20	Under Implementation
7	Up-gradation of Industrial Area Mandore, Jodhpur 27.10.2020	575.91	158.02	417.89	200.00	0			Under Implementation

ई) अनुमोदन के तहत परियोजनाएं

टीईएसी द्वारा अनुशंसित

SN	Name	Date of sanction	Project cost	Grant Anticipated (in lakh)	Status
1	Flatted Factory Complex SEZ Phase –II ,Jaipur	25/02/2021	1869.14	1023.16	• Placed before TEAC in its meeting held on 25th February 2020. • Recommended for final approval with certain compliances.

					• SIDBI asked to resubmit the proposal duly approved by TEAC (Approval of TEAC is more than Six month Old)

3– राज्य स्तरीय क्लस्टर विकास मीटिंगः

उद्योग आयुक्त कार्यालय, राजस्थान सरकार के प्रमुख सचिव (एमएसएमई) की अध्यक्षता में 29/07/2021 और 21/10/2021 को राज्य स्तरीय क्लस्टर विकास बैठकें आयोजित की गईं, जिसमें इस संस्थान के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एमएसई–सीडीपी के प्रस्ताव पर चर्चा की गई और आवश्यक कार्रवाई के लिए अग्रेषित किया गया।

4– संभावित क्लस्टर और क्लस्टरों की पहचान जयपुर निम्नलिखित की पहचान की गईः

संभावित क्लस्टर और क्लस्टरों की पहचान एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर ने हस्तक्षेप के लिए निम्नलिखित संभावित क्लस्टरों की पहचान की –

क्र.स.	क्लस्टर का नाम	क्लस्टर का स्थान
1	राइस मिल क्लस्टर	बूंदी
2	वूलन यार्न क्लस्टर	बीकानेर
3	रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर	जयपुर
4	गोल्ड/सिल्वर ज्यूलरी क्लस्टर	जयपुर

5– बूंदी ने एमएसई–सीडीपी और अन्य सरकार के विभिन्न लाभों की खोज करने की क्षमता और विश्वास निर्माण के एक भाग के रूप में निम्नलिखित क्लस्टरों की सहायता की। योजनाएं–

1. राइस मिल क्लस्टर बूंदी।
2. स्टोन क्लस्टर, झालावार।
3. रेडीमेट गारमेंट क्लस्टर जयपुर।
4. मस्टर्ड ऑयल मिल क्लस्टर सिरोही।
5. ज्यूलरी मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर जोधपुर।
6. हैण्ड टूल क्लस्टर नागौर ।
7. जेम्स एंड ज्यूलरी क्लस्टर नागौर।
8. वूलन यार्न क्लस्टर बीकानेर।
9. ऑयल मिल क्लस्टर, टोंक।
10. सीड यूटेंसिल क्लस्टर, आबू रोड सिरोही।
11. कोटा स्टोन स्लरी क्लस्टर, कोटा।

एफ) विकास आयुक्त कार्यालय ने सार्वजनिक खरीद नीति 2012 तैयार की और प्रख्यापित की जो 1 अप्रैल 2012 को लागू हुई और 1 अप्रैल 2015 से अनिवार्य हो गई। इस नीति के अनुसार केंद्र सरकार, मंत्रालय, विभाग और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम सूक्ष्म और लघु उद्यमों से अपने माल या सेवा के वार्षिक मूल्य का न्यूनतम 25 प्रतिशत खरीदेंगे, जिसमें से 4 प्रतिशत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले एमएसईएस से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। उद्यमों और 25 प्रतिशत लक्ष्य के भीतर से 3 प्रतिशत महिलाओं के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से खरीद के लिए निर्धारित किया जाएगा।

Status of CPSUs under the Public Procurement Policy-2012 in 2020-21				
Sl. No.	**Name of CPUs**	**No. of SMEs Registered**	**Goods (Products/Services) forwhich Vendors were Registered**	**% Value of Products/Services Purchased from SMEs**
1	Rajasthan Electronics And Instruments Ltd. (REIL)	103	1. Machine Components 2. EWS, DPU ETC 3.PCU/INVERTERS/UPS/ CHARGE Controllers	32%
2	FCI Aravali Gypsum & Minerals (India) Ltd.	26	1. HDPE Bags 2. Furniture Items 3. Printing & Stationery items	19%
3	Hindustan Salts Ltd. &Sambhar Salts Ltd.	6	1. Nut Bolt & Hardware 2. Polyester 3. Solar Pumps 4. HDPE Bags & 5. Packing Material	7%

एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से 31 अगस्त 2021 को ''इंडियन ऑयल में खरीद नीति और विक्रेता चयन प्रक्रिया'' पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 28 अक्टूबर 2021 को चाकसू जयपुर में ''ऋइंडियन ऑयल में खरीद नीति और विक्रेता चयन प्रक्रिया''पर एसवीडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया और एमएसएमई योजनाओं पर एक भाषण दिया।

जी) एमएसईएफसी/ग्रीवान्स/आईजीएमएस/आरटीआई/यूएएम

1. माइक्रो एंड स्माल एंटरप्राइज फेसिलिटेशन काउंसिल (एमएसईएफसी) धारा 20 और 21सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम 2006 में सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसईएस) को विलंबित भुगतान के प्रावधान शामिल हैं(धारा 15 से 24)। राज्य सरकारों ने विलंबित भुगतान (धारा 20 और 21) पर संदर्भ प्राप्त करने/दाखिल करने पर विवादों के निपटारे के लिए सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद (एमएसईएफसी) की स्थापना की।

MSEFC Status during 2020-21

Year	Total Cases	Cases Disposed	Cases Pending
2020-21	2403	1554	849

2. ग्रीवान्स/आईजीएमएस/आरटीआई

   2021–22 के दौरान:

   - 20 आरटीआई मामले प्राप्त हुए एवं उन सभी का निपटारा भी किया गया।

3. उद्यम रजिस्ट्रेशन

UAM Registration (till 06th APRIL 2021)		
S.No.	**Description**	**Nos.**
1.	Micro Enterprises	6,12,674
2.	Small Enterprises	21,405
3.	Medium Enterprises	1,740
	Total UdyogAadhaar Registered	**6,35,819**

खण्ड – 2

उद्यमिता एवं कौशल विकास कार्यक्रम

2.1 उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम(ईएसडीपी)

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी)/औद्योगिक प्रेरक अभियान (आईएमसी–वाई) :

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ईएपी)/औद्योगिक प्रेरक अभियान (आईएमसी–वाई) का उद्देश्य विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं को प्रेरित करना है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिलाओं, विकलांगों, भूतपूर्व सैनिकों और बीपीएल व्यक्तियों सहित समाज के स्वरोजगार या उद्यमिता को करियर विकल्पों में से एक के रूप में मनाने के लिए। अंतिम उद्देश्य देश में उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करना है।

कुल 27 कार्यक्रमों के (पुरानी ईएसडीपी योजना के तहत 2 आईएमसी और नई ईएसडीपी योजना के तहत 25 ईएपी/आईएमसी(वाई))एमएसएमई विकास संस्थान जयपुर को वित्त वर्ष 2021–22 के लिए आवंटित किए गए थे और लक्ष्य निर्धारित समय में पूरा किया गया था। चूंकि राजस्थान भौगोलिक रूप से भारत का सबसे बड़ा राज्य है, एमएसएमई–विकास संस्थान और जयपुर ने कार्यक्रम की योजना बनाई है ताकि अधिकतम संभव क्षेत्र को कवर किया जा सके। जैसलमेंर के रेगिस्तानी जिले से सिरोही जिले के जनजातीय क्षेत्र तक के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा औद्योगिक रूप से पिछड़े जिले जैसे जालोर, चुरू आदि और अधिक महत्वपूर्ण रूप से आकांक्षी जिले जैसे धौलपुर, करौली और सिरोही में कार्यक्रम आयोजित करने में अत्यधिक सावधानी बरती गई। 2 आईएमसी कार्यक्रम वर्चुअल मोड पर आयोजित किए गए जबकि 25 नग राजस्थान के 24 जिलों में ईएपी/आईएमसी – वाई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जहां तक कार्यक्रम के परिणाम का संबंध है, लगभग 2340 लोगों को उद्यमिता और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता प्रदान की गयी। 27 ईएपी कार्यक्रमों के माध्यम से संभावित उद्यमियों की संख्या ने भाग लिया। विभिन्न सरकारों के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एजेंसियां यानी जिला औद्योगिक केंद्र (डीआईसी), अग्रणी जिला बैंक, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग और आईटीआई कॉलेज आदि। कार्यक्रम को पारंपरिक व्याख्यान प्रकार के बजाय अधिक इंटरैक्टिव बनाने के लिए डिजाइन किया गया था। प्रतिभागियों को व्यावसायिक विचारों और वित्त की उपलब्धता के बारे में प्रश्न पूछने क लिए प्रोत्साहित किया गया, जिन्हें संतोषजनक ढंग से संबोधित किया गया था। संभावित उद्यमियों द्वारा बहुत सारे प्रश्न किए गए और अपने विचारों को साझा किया और विचार को सफल उद्यमिता में बदलने के लिए ज्ञान प्राप्त किया। इन ईएपी ने एमएसएमई मंत्रालय और राज्य सरकार की योजनाओं मंत्रालय और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रसार जैसे मूर्त लाभ भी उत्पन्न किए हैं। जनता के लिए और राजस्थान राज्य में उद्यमिता के लिए एक सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए।

	Name of Coordinator	**Place**	**Partner Organisation**	**Date**	**Detail of participants**		
					Male	Female	Total
A. Industrial Motivational Campaign- Youth – Old ESDP Scheme							
1.	K.C. Meena	Virtual Mode	DIC and WTC	Jul 22, 2021 to Jul 23, 2021	14	37	51
2.	K.C. Meena	Virtual Mode	DIC,WTC	**Start :** Jul 28, 2021 **End :** Jul 29, 2021	43	114	157
B. **Entrepreneurship Awareness Programme (EAP)/ IMC- Y – New ESDP Scheme**							

3.	GirishKumar	Aryabhatt College, Kotra, Ajmer, Pin - 305927	DIC	15/Feb/2022	83	43	126
4.	Rajender Singh Dahiya	MSME Technology Centre Bhiwadi, Alwar, Pin - 301019	DIC	15/Feb/2022	90	4	94
5.	Tarun Bhatnagar	Govt. Polytechnic College, Bikaner, Pin - 334001	DIC,	21/Feb/2022	73	15	88
6.	Tarun Bhatnagar	Govt. Polytechnic College, Nagaur, Pin -341001	DIC	23/Feb/2022	82	1	83
7.	Tarun Bhatnagar	Shri Mishri Lal Sanwal Govt. PG Girls College, Jaisalmer, Pin - 345001	DIC	18/Feb/2022	18	69	87
8.	Jitendra Kumar Meena	Government Polytechnic College Jhunjhunu, Pin - 333001	DIC, Govt. Poly technique,	14/Feb/2022	80	0	80
9.	Rajender Singh Dahiya	Sangam University , Bhilwara, Pin - 311001	DIC	28/Feb/2022	90	4	94
10.	GirishKumar	Aryabhatt College, Kotra, Ajmer, Pin - 305927	DIC	24/Feb/2022	83	43	126
11.	Sanjay Meena	Techno India NJR Institute of Technology, Udaipur,Pin - 313001	FORTI Associatio n	15/Feb/2022	61	13	74
12.	Sanjay Meena	Jain ITI, Sriganganagar, Pin -335001	DIC	25/Feb/2022	73	7	80
13.	Sanjay Meena	Govt Polytechnic College, Hanumangarh, Pin - 335012	DIC	26/Feb/2022	56	16	72
14.	Madhukar Sharma	Government Polytechnic College, Pali, Pin - 306401	DIC	18/Feb/2022	55	7	62
15.	Madhukar Sharma	Aanchal ITI, Reengus, Sikar, Pin - 332404	DIC	23/Feb/2022	59	0	59
16.	Balram Meena	Sirohi, Pin - 307001	DIC, LDM,	16/Feb/2022	93	0	93
17.	GirishKumar	Dr. B. lal Institute of Technology, Malviya Nagar, Jaipur,	DIC,	28/Feb/2022	23	54	77
18.	Balram Meena	Jalore, Pin – 343001	DIC, LDM,	17/Feb/2022	53	25	78

19.	Balram Meena	Suratgarh, Pin - 335804	DIC, , LDM	24/Feb/2022	113	3	116
20.	Ajay Sharma	PNB RSETI Near Science Park Jhalrapatan Jhalawar, Pin - 326023	DIC	23/Feb/2022	28	35	63
21.	Ajay Sharma	RUDSET Institute Behind central Jail Shahabad Road NH- 27 Baran -325205	DIC	25/Feb/2022	0	62	62
22.	Dinesh Chand	Govt Iti Collage Karauli, Pin - 322241	Govt. ITI College	17/Feb/2022	93	7	100
23.	Dinesh Chand	Govt Polytechnic Collage Dholpur, Pin - 322255	DIC	23/Feb/2022	80	0	80
24.	Dinesh Chand	Govt Polytechnic Collage Bharatpur, Pin - 321001	DIC	21/Feb/2022	78	2	80
25.	Ajay Sharma	Rajasthan Technical University Rawathbhata Road Kota 324010	DIC	24/Feb/2022	48	16	64
26.	Jitendra Kumar Meena	Biyani Girls College Jaipur, Pin - 302039	DIC, Biyani Girls College	09/Mar/2022	85	4	89
27.	Jitendra Kumar Meena	Laxmi Bai Girls College Malpura Tonk, Pin - 304502	DICC, Tonk	11/Mar/2022	96	9	105
				Total	1750	590	2240

चिड़ावा .पिलानी

उद्यमिता विकास शिविर में सीएम लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी

झुंझुनूं | जिला उद्योग केंद्र व एमएसएमई डीआई जयपुर की ओर से भीमसर रोड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में उद्यमिता विकास शिविर लगाया गया। प्रधानाचार्य मोतीलाल की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में एमएसएमई डीआई के सहायक निदेशक जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री रोजगार प्रजन कार्यक्रम व एक्सपोर्ट इम्पोर्ट की तथा जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक योगेश कुमार शर्मा ने मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना व राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना के बारे में बताया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रवक्ता गजानंद कुमावत, अर्पिता

दैनिक भास्कर उदयपुर 16-02-2022

उद्यमिता जागरूकता : केंद्र सरकार के कानून-नियम बताए

उदयपुर | सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संस्थान और फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री के साझे में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम मंगलवार को हुआ। फोटॉ शाखाओं के को-चेयरमैन प्रवीण सुथार ने कहा कि जिनको अपने काम पर भरोसा होता है, वो नौकरी करते हैं और जिनको खुद पर भरोसा होता है, वो व्यापार करते हैं। अनुभव के लिए व्यक्ति को नौकरी अवश्य करनी चाहिए, ताकि उस अनुभव से व्यापार की शुरुआत कि जा सके। जयपुर से एमएसएमई के असिस्टेंट डायरेक्टर संजय मीणा ने केंद्र सरकार के कानून नियम बताए। जिला उद्योग केंद्र उदयपुर के उद्योग प्रसार अधिकारी चोखाराम मेघवाल ने राजस्थान एमएसएमई के बेनीफिट स्कीम के बारे में जानकारी दी। आरएस व्यास, मधुकर शर्मा, मनीष भानावत मौजूद थे।

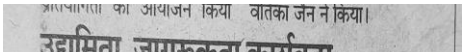

खण्ड – 3

अन्य प्रदर्शित गतिविधियां

3.1 वर्ष 2021–22 में की गयी अन्य गतिविधियां:

अ. एमएसएमई– विकास संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित ''संभव'' ई–राष्ट्रीय स्तर के जागरूकता कार्यक्रम (एनएलएपी) का आयोजन इस प्रकार है:–

क्र.स.	कार्यक्रम की तिथि	कॉलेज का नाम जिसके साथ आयोजन हुआ	प्रतिभागियों की संख्या
1	17.11.2021	मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ राजस्थान	373
2	18.11.2021	जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर, राजस्थान	123
3	22.11.2021	आई आई एस डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान	172
4	23.11.2021	मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान	120
5	24.11.2021	स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर, राजस्थान	244
6	26.11.2021	बनस्थली विद्यापीठ डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, नेवाई जिला:टोंक राजस्थान	83
7	30.11.2021	एमएलवी टेक्सटाइल एंड इंजी0 कॉलेज भीलवाड़ा, राजस्थान	173
8	02.03.2022	आर्या इंस्टीट्यूट ऑफ इंजी0 एंड टेक्नोलॉजी, कूकस, राजस्थान	277
9	04.03.2022	भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी, महींद्रा एसईजेड जयपुर	196
10	05.02.2022	पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर	190
	कुल	**10 कार्यक्रम**	**1951**

बी. संस्थान द्वारा भौगोलिक संकेत (जी.आई.) उत्पादों पर नीचे दिए गए अनुसार एक प्रगति रिपोर्ट तैयार की गई थीः–

1. पहचाने गए संभावित जीआई उत्पादों की सूची[1]

DISTRICT	ITEM
Ajmer (Beawar)	Teel Papdi, Jawaja Leather
Alwar	Mawa
Barmer	Ajhar Print (Hand Block Printed Textile)
Bharatpur	Nagar Ka Jaleba
Bhilwara	Textile,Brass Work, Phad Painting
Bikaner	Bhujia
Bundi	Miniature Painting
Chittorgarh	Dabu Print of Akola
Dausa	Rugs & textiles
Jaipur	Lac Bangles, Finni, Tie & Dye, Handmade paper products, Patwa Jewellery of Kaladera
Jaisalmer	Mirror Work Embroidery, Camel Leather Product, Jems Jewellery, Yellow Limestone
Jalore	Juti
Jodhpur	Bandhani Print, Folk Painting Cloths, Paper, Furnitures, Mawa Kachori, Kair Snagri
Kota	Kachori, Kota Doria
Pali	Gulab Halwa
Sawai Madhopur	Mohan Thal
Sirohi (Abu Road)	Dudh Rabadi
Tonk	Namda & Namda Products
Udaipur	Pichwai Painting- Nathdwara

[1]राजस्थान राज्य के विभिन्न डीआईसी और कारीगर समूहों से प्राप्त विवरण

2. जीआई उत्पादों के प्रचार के लिए की गई गतिविधियां:

- राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने वाले उत्पादों और विभिन्न जीआई उत्पादों के कारीगरों के डेटाबेस को राजस्थान पोर्टल(https://industries.rajasthan.gov.in/content/industries/handmadeinrajasthandepartment/aboutus.html) पर अपलोड किया गया है।

- आईपीआर जागरूकता के लिए समय–समय पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम मुख्य रूप से समूहों और संघों के लिए आयोजित किए गए हैं।

- अकोला, चित्तौड़गढ़, राजस्थान, के डब्बू प्रिंट के लिए जीआई पर पायलट अध्ययन के लिए एक प्रस्ताव तैयार करने के (सीआईडीए) के साथ समन्वय और इसे एमआईएस पोर्टल के माध्यम से मुख्यालय को विधिवत भेजा गया था।

3. जीआई के प्रचार और जागरूकता पैदा करने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई:

- सभी जीआई उत्पादों में एक सामान्य जीआई सीज का निर्माणः एक छोटी सी सील जो ''मूल'' कहती है और जो जीआई नंबर देती है, को सभी जीआई उत्पादों के लिए एक आसान पहचान और एक आश्वासन चिन्ह के रूप में पेश किया जा सकता है। मुहर पर जीआई नं0 प्रत्येक अधिकृत उपयोगकर्ता की अद्वितीय संख्या होगी ताकि उत्पाद को उसके मूल में खोजा जा सके। इससे जालसाजी भी मुश्किल हो जाएगी। उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिए व्यापक स्तर पर एक एसल चिन्ह का संचार करना आसान होगा।

- डेटाबेस एंड ट्रैकिंग व्यवस्थाः सभी के लिए सुलभ एक ऑनलाइन डेटाबेस होना चाहिए जहां सभी जीआई उत्पादों के लिए अधिकृत उपयोगकर्ता विवरण तक पहुंचा जा सके और जांच की जा सके। डेटाबेस चेन्नई में जीआई रजिस्ट्री द्वारा बनाया जाना चाहिए और संबंधित जीआई सक्षमकर्ता या पंजीकृत मालिक इसे बनाए रखने और इस सूची मे संपर्क विवरण अपडेट करने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं जिसमें जीआई नंबर वाले प्रत्येक उत्पाद के साथ सुरक्षित प्रमाणीकरण और ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किया जा सकता है। केंद्र सरकार/राज्य सरकार/निर्माता संघ स्तर पर सभी जीआई संबंधित वेबसाइटों पर लिंक के माध्यम से एक ही डेटाबेस को सुलभ बनाया जा सकता है।

- जीआई टैग विविध उत्पादों के लिए विशिष्ट ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म का विकास या एक अम्ब्रेला जीआई पोर्टल की स्थापना जो सभी व्यक्तिगत जीआई पोर्टलों से जुड़ती है– जीआई टैग उत्पादों के लिए कोई विशेष ई–मार्केट स्पेस नहीं है। इसके लिए आवश्यक है कि जीआई टैग उत्पादों की पहचान की जाए जिनका विपणन किया जा सके और ऐसे उत्पादों के लिए विशेष रूप से वेब स्पेस होना चाहिए। प्रत्येक राज्य के महाप्रबंधकों को प्रत्येक भूगोल में उपलब्ध उत्पादों का एक प्रमाणिक डेटाबेस रखने के लिए निर्देशित किया जा सकता है। ऐसे पोर्टलों के माध्यम से वैध एमएमई निर्यात को बढ़ावा देने का सुझाव दिया गया है।

- एमएसएमई की शिकायत है कि ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लेनदेन की लागत बहुत अधिक है। दो चीजें जहां सरकार हस्तक्षेप करने की जरूरत है यानी बी2बी और बी2सी। एमएसएमई के लिए ऐसी कोई विशेष योजना नहीं है जो इन ई–कॉमर्स खिलाड़ियों के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म पर एमएसएमई को एकीकृत करने के लिए फायदेमंद हो। उत्पादों की दिखाने के लिए उत्पाद का प्रमाणन हो सकता है। अलग–अलग वेबसाइट की जगह अलग सेक्शन बनाया जा सकता है।

4. **गुणवत्ता संवर्द्धनः**

    - तकनीकी और डिजाइन संस्थानों से इनपुट के साथ प्रौद्योगिकी और उपकरण उन्नयन

    - कृषि वैज्ञानिकों और पैकेजिंग विशेषज्ञों द्वारा उनके इनपुट का प्रासंगिक साझा करने के लिए दौरा

    - पैनल में शामिल डिजाइनरों/निफ्ट/एफडीडीआई आदि के साथ गठजोड़ का प्रो–एक्टिव प्रचार

    - ग्राम समूहों और सीएफसी में इंटर्नशिप कार्यक्रम।

5. **जीआई उत्पादों के पैकेजिंग डिजाइन में नवाचारः** सौंदर्यशास्त्र, सुरक्षा, ताजगी, दीर्घायु और लागत अनुकूलन के लिए पैकेजिंग डिजाइन विकास।

6. **पहचान किए गए जीआई उत्पादों के लिए प्रत्येक हब में सामान्य सुविधाएंः** ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कारीगरों की सूची का सामना करने वाली प्रमुख बाधाओं में से एक है क्योंकि उनके पास जीएसटीएन नं, पैन नं. आदि नहीं है। इसलिए सामान्य सुविधाएं केंद्र हो सकते हैं, विकसित किया गया है, जहां आईटी सक्षमकर्ता इन कारीगरों को अपने उत्पादों को ऐसे मंच पर रखने में मदद कर सकते हैं। एमएसएमई/कारीगर आदि न तो कैटलॉग बनाने में सक्षम हैं और न ही ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग कर सकते हैं। प्रभावी सरकार इन सीएफसी के माध्यम से एमएसएमई को ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और कौशल प्रदान कर सकती है।

7. **चयनित जीआई उत्पादों के लिए अलग एचएस कोड(हार्मोनाइज्ड सिस्टम)–** निर्यात क्षमता वाले चयनित जीआई उत्पादों के लिए अलग एचएस कोड रखने का सुझाव दिया गया है, ताकि जीआई उत्पादों के लिए प्रचार गतिविधियों और बाजार संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा सके।

8. **क्रेता विक्रेता बैठकः–** प्रत्येक राज्य में प्रति वर्ष एक बड़ी जीआई केंद्रित प्रदर्शनी जैसी पहलों के माध्यम से प्रत्यक्ष खरीदार विक्रेता बातचीत को बढ़ावा देना। संबंधित राज्य सरकारों द्वारा प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों में उपभोक्ताओं को सीधे बिक्री के लिए प्रमुख राष्ट्रीय प्रदर्शनियों हाटों/शिल्प बाजारों में मौजूदा जीआई उत्पादकों /अधिकृत उपयोगकर्ताओं की पर्याप्त भागीदारी स्थापित की जानी चाहिए।

9. **प्रवर्तनः–** छापेमारी करने की आवश्यकता है ताकि अपराधियों को पकड़ा जा सके और चेतावनी दी जा सके या नोटिस दिया जा सके। उल्लंघन के मुद्दों को उठाने के लिए नोडल स्तर पर एक कानूनी प्रकोष्ठ स्थापित करने की आवश्यकता है।

10. **एंडोर्सर ब्रांड रणनीतिः–** इस रणनीति के काम करने के लिए , यह महत्वपूर्ण है कि जीआई ब्रांड को संबंधित उत्पाद श्रेणी के लिए अद्वितीय और विभेदित स्थिति के साथ एक विश्वसनीय और पसंदीदा ब्रांड क रूप में स्थापित किया जाए। मानकीकरण के कुछ स्तर के बिना, एक समान ब्रांडिंग रणनीति को लागू नहीं किया जा सकता है। लेकिन दूसरी ओर, सभी पहलुओं पर पूर्ण मानकीकरण और कठोर नियंत्रण, सामुदायिक स्वामित्व के परिदृश्य में लागू करना मुश्किल होने के अलावा, अपने स्वयं के ब्रांड नाम बताने की अनुमति दी जा सकती है। यह न्यूनतम जीआई विनिर्देशों को पूरा करना सुनिश्चित करने के साथ–साथ नवाचार और गुणवत्ता संवर्द्धन को प्रोत्साहित करेगा।

स.) **'आजादी का अमृत महोत्सव',** भारत सरकार की पहल के हिस्से के रूप में, एमएसएमई विकास संस्थान, जयपुर द्वारा मनाया जा रहा है, 16 मार्च, 2022 को होटल रामादा नॉर्थ, सीकर रोड जयपुर में 'एमएसएमई पर प्रचार और जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया है।

यह कार्यक्रम भावी और मौजूदा उद्यमियों और सरकार को लाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य सेएमएसएमई, पीएसयू, सफल उद्यमियों के समर्थन के लिए काम करने वाले संगठन पारस्परिक लाभके लिए व्यापार संबंध स्थापित करने और स्थापित करने के लिए और भारतीय उद्योग के समावेशी विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से नेटवर्किंग अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों और सरकार के अधिकारी, विभाग यानी गेल, रेलवे, आईओसीएल, बीएसएनएल, सिडबी, सिपेट, एमएसएमई टीएस, जयपुर और राज्य सरकार ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में लगभग 156 लोगों ने भाग लिया।

द.) निर्यात को बढ़ावा देने के लिए की गयी विविध गतिविधियां

1. अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर, राजस्थान सरकार और रीको द्वारा 27.07.2021 को आयोजित वर्चुअल ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।

2. अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने 06 अगस्त, 2021 को वित्त वर्ष 2021–22 के लिए यूडी डॉलर 400 बिलियन (लक्ष्य–400) के निर्यात लक्ष्य पर माननीय प्रधान मंत्री की आभासी बैठक मे भाग लिया।

3. अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने डीआईसी, जयपुर के सहयोग से 1 सितंबर, 2021 को महिला उद्यमियों के लिए डीआईसी कोड जनरेट करने के लिए एक अभियान का आयोजन किया। बैठक में 50 महिला उद्यमियों ने भाग लिया।

4. अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने एफआईईओ, (जयपुर चैप्टर) और ई–बे के सहयोग से 09 सितंबर, 2021 को ''खिलौने क्षेत्र के लिए ई–कॉमर्स खुदरा निर्यात अवसरों और आईपीआर के महत्व के बारे में जानें'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार से कुल 85 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

5. अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक के साथ निदेशक श्री वी.के.शर्मा ने 11 नवंबर, 2021 को महिला उद्यमियों के लिए एफआईईओ , जयपुर द्वारा आयोजित एक्सपोर्ट हब के रूप में पहल के तहत क्षमता निर्माण पर एक कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। श्री सी.के. मिश्रा, श्री आशीष वर्मा, शाखा प्रमुख जयपुर भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। संयुक्त डीजीएफटी, जयपुर कुल 40 प्रतिभागी, कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

6. श्री संजय मीना, सहायक निदेशक ने फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोः आर्गेनाइजेशन(एफआईईओ), राजस्थान द्वारा ''यूसीसीआई, उदयपुर में 07 जनवरी 2022 को क्षमता निर्माण कार्यक्रम में आईसी योजना पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एमएसएमई मंत्रालय की याजनाओं पर एक प्रस्तुति दी ।

3.2 उद्यम विकास केंद्र(ईडीसी)

महत्वकांक्षी और मौजूदा एमएसई उद्यमी उद्यम विकास केंद्र के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन प्रदान करने के लिए वर्तमान में उद्यम सुविधा केंद्र के रूप में नाम बदलकर एमएसएमई और इच्छुक उद्यमियों को हैंडहोल्डिंग और सुविधा सहायता प्रदान करता है।

सूचना प्रसारः

सुविधा सूचना प्रसार भारत सरकार और राजस्थान सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराना।

सुविधाएंः

- यूएएम एवं एमएसएमई डेटा बैंक रजिस्ट्रेशन
- पब्लिक प्रोक्योरमेंट फेसिलिटेशन

- डिजिटल एमएसएमई
- जेम रजिस्ट्रेशन फेसिलिटेशन
- स्टार्ट–अप फेसिलिटेशन
- एक्सपार्ट इम्पोर्ट फेसिलिटेशन

हैंडहोल्डिंग / मेन्टरिंग

- परियोजना प्रोफाइल की तैयारी
- मौजूदा और भावी उद्यमियों के लिए औद्योगिक प्रेरणा अभियान(आईएमसी), उद्यमिता कार्यक्रम(ईडीपी) और कौशल विकास कार्यक्रम(एसडीपी संभावित उद्यमी)
- क्रेता–विक्रेता बैठक, विक्रेता विकास कार्यक्रम आदि का आयोजन करना।
- विचार / इनक्यूबेशन और उत्पाद विकास।
- आईपीआर सुविधा
- प्रौद्योगिकी सोर्सिंग समर्थन
- स्टार्ट अप उद्यमियों के लिए विशेषज्ञ परामर्श के रूप में तकनीकी सहायता छोटे से मध्यम आकार के व्यवसायों की स्थापना के लिए परामर्श सेवाओं को लक्षित करती है।

बिजनेस इनक्यूबेशन फेसिलिटेशनः

- इंटरनेट कनेक्शन और मानक फर्नीचर के साथ को–सीटिंग की जगह व्यक्तिगत स्थान पर चयनित सलाह देने वाले इच्छुक उद्यमियों को प्रदान की जाएगी।

क्षमता निर्माणः

- उद्यमिता के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- एक व्यवहार्य करियर के विकल्प के रूप में उद्यमिता के निर्माण को बढ़ावा देना और सुविधा प्रदान करना।
- ईडीसी में एक संसाधन केंद्र स्थापित करना जो छोटे व्यापार मालिकों और इच्छुक उद्यमियों के लिए एक व्यापक सूचना केंद्र होगा।इसमें निम्नलिखित शामिल होंगे–

- पुस्तकालय जिसमें 50 सभी मुद्दों से संबंधित, उद्यमिता से संबंधित सभी प्रकार की पुस्तकें हैं जैसे बिजनेस प्लान हैंडबुक, वार्षिक रिपोर्ट, विश्वकोश। जर्नल्स/पत्रिकाएं।

- रिसोर्स सेंटर उद्यमियों को उनकी व्यावसायिक योजनाओं को लिखने में सहायता प्रदान करके अपेक्षित सहायता भी प्रदान करेगा।

- मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, निर्यात विपणन प्रबंधन, ई–विपणन प्रबंधन, जीएसटी से संबंधित विषयों पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम(एमडीपी) के आयोजन सहित उनके व्यवसाय के विकास में सहायता प्रदान करना।

एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने वित्तीय वर्ष 2021–22 में 635 आगन्तुकों एवं उद्यमियों की उद्यम सुविधा केंद्र पर सहायता की।

3.4 क्लीनलीनेस ड्राइव/स्वच्छ भारत अभियान

कोविड–19 के कारण भारत सरकार द्वारा मार्च,2020 से देश भर में लगाया गया लॉकडाउन; कार्यालय परिसर को प्राथमिकता के आधार पर साफ सुथरा रखने पर विशेष बल दिया गया। एमएसएमई–विकास संस्थानों ने कार्यालय परिसर के नियमित स्वच्छता का कार्य लिया था। की गई अन्य गतिविधियां इस प्रकार थीं–

एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर द्वारा ओ.ई.(एसएपी) के तहत 2021–22 में की गयी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

- एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर ने पहली तिमाही (अप्रैल–जून) के दौरान स्वच्छता कार्य योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों के दौरान सभी अधिकारियों द्वारा कोविड–19 दिशानिर्देशों का भी पालन किया गया। सभी अधिकारियों ने अपने कमरे, कंप्यूटर और टेबल कुर्सियों आदि की सफाई की। कार्यस्थल एवं कार्यालय के आसपास के क्षेत्र की सफाई के आसपास के क्षेत्र की सफाई कराई गई जिसमें वाटर कूलर, डेजर्ट कूलर, आर. ओ. और आवश्यकतानुसार पंप द्वारा फॉगिंग की गयी। कार्यालय परिसर के पास के एप्रोच रोड की अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सफाई की गयी।
- एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने दूसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) के दौरान स्वच्छता कार्य योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों के दौरान सभी अधिकारियों ने अपने कमरों, कंप्यूटरों और टेबल कुर्सियों आदि की सफाई की। कार्यालय परिसर में अपने आवंटित क्षेत्रों यानी टीआरसी हॉल, सेमिनार हॉल, ग्रीन बेल्ट क्षेत्र, कॉरिडोर और स्वागत क्षेत्रों की सफाई के लिए टीमों का गठन किया गया। कार्यालय परिसर में में वृक्षारोपण का कार्य किया गया, कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं हरित पट्टी उद्यान क्षेत्रों की सफाई भी की गयी। कार्यालय परिसरों में लाइट की मरम्मत भी की गयी। परिसर में पड़ी अनुपयोगी वस्तुओं को एकत्र कर उचित स्थान पर रख दिया गया है जिसे शीघ्र ही निस्तारित कर दिया जाएगा।
- एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने तीसरी तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) के दौरान स्वच्छता कार्य योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों के दौरान सभी अधिकारियों ने अपने–अपने कमरों, कंप्यूटरों और टेबल कुर्सियों आदि की सफाई की । कार्यालय परिसर में पड़े अनुपयोगी सामान को एकत्र कर उचित स्थान पर रखा गया है। कार्यालय के कार्यस्थल एवं आस–पास के क्षेत्र की सफाई कराई गई जिसमें वाटर कूलर, डेजर्ट कूलर, आर. ओ. सिस्टम को साफ किया गया और पंप द्वारा आवश्यक फॉगिंग की गई। कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं हरित पट्टी उद्यान क्षेत्रों की सफाई भी की गयी। कार्यालय परिसर के पास के एप्रोच रोड की अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सफाई की गयी।
- एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी–मार्च) के दौरान स्वच्छता कार्य योजना के तहत विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों के दौरान सभी अधिकारियों द्वारा कोविड–19 दिशानिर्देशों का भी पालन किया गया। कार्यालय परिसर के हरित पट्टी क्षेत्र में पौधारोपण का कार्य किया गया। कार्यालय के कार्यस्थल एवं आस–पास के क्षेत्र की सफाई कराई गई जिसमें वाटर कूलर, डेजर्ट कूलर, आर.ओ. सिस्टम को साफ किया गया और पंप द्वारा आवश्यक फॉगिंग की गई। सभी अधिकारियों ने अपने–अपने कमरों, कंप्यूटरों और टेबल कुर्सियों आदि की सफाई की । कार्यालय परिसर में पड़े अनुपयोगी सामान को एकत्र कर उचित स्थान पर रखा गया। जेम से सैनिटाइजर, लिक्विड हैण्ड वॉश, मास्क और हाइपोक्लोराइट मंगवाए गए। कार्यालय परिसर के पास के एप्रोच रोड और सेंट्रल वर्कशॉप तक जाने वाले एप्रोच रोड की सफाई अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने की।
- एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने कार्यालय परिसर और कार्यालय के आस पास के क्षेत्रों में श्रमदान कर गांधी जयंती मनाई। इस अभियान के दौरान सभी अधिकारियों द्वारा कोविड–19 दिशानिर्देशों का भी पालन किया गया।
- कार्यालय परिसर में अपने आवंटित क्षेत्रों यानी टीआरसी हॉल, सेमिनार हॉल, ग्रीन बेल्ट क्षेत्र, कॉरिडोर और स्वागत क्षेत्रों की सफाई के लिए पांच टीमों का गठन किया गया था।
- इस अभियान के दौरान सभी अधिकारियों को मास्क, दस्ताने और सैनिटाइजर प्रदान किया गया।
- सभी अधिकारियों ने अपने–अपने कमरों, कंप्यूटरों और टेबल कुर्सियों आदि की सफाई की ।
- कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया, कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण एवं हरित पट्टी उद्यान क्षेत्रों की सफाई भी की गई ।
- कार्यालय परिसर में पड़ी अनुपयोगी वस्तुओं को एकत्र कर उचित स्थान पर रखा गया है जिसे शीघ्र ही निस्तारित कर दिया जाएगा।

श्रमदान गतिविधि के समापन के दौरान, इस संस्थान के निदेशक ने स्वच्छता पर अपने विचार व्यक्त किए और सभी अधिकारियों ओर कर्मचारियों को कार्यस्थल और आसपास के क्षेत्रों की सफाई के लिए सप्ताह में कम से कम एक घंटे का योगदान करने की सलाह दी ताकि कार्यालय साफ दिखे। उन्होंने स्वयं इस उद्देश्य के लिए योगदान करने की जिम्मेदारी ली।

एमएसएमई–टेस्टिंग स्टेशन, जयपुर द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम

तिमाही	स्थान	दिनांक	मुख्य गतिविधियां
I	**एमएसएमई–टीएस, जयपुर**	28.06.2021 से 29.06.2021	विकास संस्थान एवं टी एस के आसपास के क्षेत्रों एवं मशीनों और यंत्रों की सफाई
II	**एमएसएमई–टीएस, जयपुर**	29.09.2021 से 30.09.2021	अभियान के दौरान पुराने रिकार्ड, टेस्टिंग स्क्रैप साफ किए गए
III	**एमएसएमई–टीएस, जयपुर**	23.12.2021 से 24.12.2021	कार्यालय परिसर और अलमारियों एवं कबर्ड की सफाई
IV	**एमएसएमई–टीएस, जयपुर**	22.02.2022 से 23.02.2022	कार्यालय परिसर, मशीन एवं यंत्रों की सफाई

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
भारत सरकार
शौचालय का करो प्रयोग, स्वच्छ रहो और बनो निरोग।
खुले मे शौच मुक्त अभियान
स्वच्छता पखवाड़ा
आयोजक:-
एमएसएमई-विकास संस्थान (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय) भारत सरकार
बाईस गोदाम औद्योगिक सम्पदा, जयपुर-302006

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय
भारत सरकार
से 31 दिसम्बर,2021
आयोजक:-

3.5 एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर द्वारा की गयी अन्य विविध गतिविधियां–

1. निदेशक, श्री वी.के.शर्मा ने दिनांक 05 अप्रैल, 2021 को एमएसएसमई मंत्रालय की एमएसएमई सस्टेनेबल योजना के तहत जेड प्रमाणित एमएसमएई के लिए राज्य सरकारों द्वारा प्रोत्साहन पर डीसीएमएसएमई–डीआईएस के लिए आयोजित वीसी बैठक में भाग लिया। वीसी की अध्यक्षता श्री अतीश सिंह, जेएस(एएफआई), एमएसएमई–मंत्रालय द्वारा की गयी।

2. निदेशक श्री वी.के शर्मा, डीसी एमएसएमई नई दिल्ली द्वारा आयोजित वीसी बैठक में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता एमएसएमई के माननीय केंद्रीय मंत्री ने 07.04.2021 को एमएसएमई विकास संस्थान के साथ बातचीत के संबंध में की।

3. निदेशक, श्री वी.के.शर्मा, ने ''विश्व बौद्धिकता के अवसर पर'' आईपीआर के महत्व और एमएसएमई के विकास में भूमिका पर ''ट्रेड इनोवेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड'' के सहयोग से ''उद्योग विकास और जागरूकता के लिए संघ (सीआईडीए)'' द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2021 को, समय दोपहर 2.00 बजे आयोजित वीसी बैठक में भाग लिया और संबोधित किया।

4. श्री गौरव जोशी, संयुक्त निदेशक ने वेबिनार वीसी में अप्रैल 2021 को 04.00 बजे ''मास्टरिंग एक्सपोर्ट डॉक्यूमेंटेशन'' पर प्रस्तुति दी, लगभग 25–30 उद्यमियों ने वेबिनार वीसी में भाग लिया। वेबिनार वीसी का आयोजन सीआईआई द्वारा किया गया था।

5. निदेशक एमएसएमई विकास संस्थान जयपुर और सीडीओ ने एएस और डीसी (एमएसएमई) अतिरिक्त निदेशक (उद्योग) सरकार की अध्यक्षता में एमएसएमई–सीडीपी दिशानिर्देशों के सरलीकरण के संबंध में दिनांक 19.04.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेन्स में भाग लिया।

6. राजस्थान और निदेशक एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर और सीडीओ ने एएस और डीसी (एमएसएमई) की अध्यक्षता में एमएसई सीडीपी के ड्राफ्ट दिशानिर्देशों के संबंध में दिनांक 23.04.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। राज्य सरकार ने एमएसई–सीडीपी दिशानिर्देशों के संबंध में लिखित सुझाव भी प्रस्तुत किया।

7. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने सीएसआईआर–सीएमईआरआई दुर्गापुर और लघु उद्योग भारती के सहयोग से ऑक्सीजन संवर्धन प्रौद्योगिकी पर वेबिनार का आयोजन किया। दिनांक 04 मई, 2021 को प्रो0 हरीश हिरानी, निदेशक सीएसआईआर–सीएमईआरआई ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता का संबोधन दिया। श्री संजीव सक्सेना, अतिरिक्त उद्योग निदेशक, राजस्थान सरकार, श्री वी.के शर्मा, निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर, श्री महेन्द्र मिश्र, महासचिव लघु उद्योग भारती सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

8. निदेशक श्री वी.के.शर्मा ने 20 मई, 2021 को ''निर्यात बंधु'' पर जीजेईपीसी, राजस्थान द्वारा आयोजित एक वेबिनार में एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में

भाग लिया और संबोधित किया। वेबिनार के अन्य प्रमुख वक्ता श्री सी.के मिश्रा, संयुक्त डीजीएफटी, जयपुर, श्री निर्मल बर्दिया, क्षेत्रीय अध्यक्ष, जीजेईपीसी,राजस्थान, श्री नवीन सोनी, सचिव, जोधपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन थे। वेबिनार में कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9. उद्योग विकास और जागरूकता के लिए कंसोर्टियम के सहयोग से एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर (सीआईडीए) और लघु उद्योग भारती, राजस्थान ने 15 मई, 2021 ''सिडबी और राज्य सरकार ने कोविड–19 से लड़ने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में एमएसएमई की सहायता और मेडिकल ऑक्सीजन निर्माण उद्यमों के लिए विशेष पैकेज'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के मुख्य अतिथि श्रीमती अर्चना सिंह, (आईएएस) आयुक्त उद्योग, राजस्थान थी और विशिष्ट अतिथि श्री संजीव सक्सेना अतिरिक्त निदेशक, उद्योग, विभाग, जीओआर। अन्य प्रमुख वक्ता थे, श्री वी. के.शर्मा, निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर, श्री धर्मेन्द्र सक्सेना, डीजीएम, सिडबी, जयपुर संजय ममगैन, संयुक्त निदेशक, इंडस्ट्रीज विभाग कार्यक्रम के संचालक डॉ रोहित जैन, अध्यक्ष सी.आई.डी.ए. थे। कार्यक्रम में 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

10. श्रीमती अनिला चौरड़िया ने 15 मई, 2021 को शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा, (एआईएम, नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा समर्थित) में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित एक वेबिनार में विभिन्न सरकारी पहलों के माध्यम से ''स्टार्ट अप के लिए अपनी पहली जांच और धन की उपलब्धता को बढ़ाने'' पर एक पैनल चर्चा में भारत सरकार के विभिन्न पहलों के बारे में स्टार्ट अप में भाग लिया और उन्हें अवगत कराया। वेबिनार में कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

11. श्रीमती अनिला चौरड़िया ने एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं और अन्य भारत सरकार की पहलों के बारे में 20 मई, 2021 को फोरटी, राजस्थान महिला विंग द्वारा एमएसएमई योजनाओं और राजस्थान में महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए धन पर आयोजित एक लाइव सत्र को संबोधित किया।

12. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर, भारत सरकार के उद्योग आयुक्त के सहयोग से राजस्थान एनआईएएम(राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान) और सीआईडीए ने दिनांक 12 जून, 2021 को ''एक जिला एक उत्पाद के लिए विशेष फोकस के साथ कृषि आधारित स्टार्टअप के अवसर और वित्तीय सहायता'' पर वेबिनार का आयोजन किया । डॉ रमेश मित्तल, निदेशक, एनआईएएम ने मुख्य कार्यक्रम में अध्यक्ष का संबोधन श्री एस. एस.शाह अतिरिक्त उद्योग निदेशक, राजस्थान सरकार, श्री वी.के.शर्मा, निदेशक एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर, श्री पी.आर. शर्मा, संयुक्त निदेशक, उद्योग,राजस्थान सरकार, श्री एम.एल.गुप्ता, निदेशक, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड सहित 80 प्रतिभागियों ने उक्त जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

13. श्री अजय शर्मा, सहायक निदेशक, एमएसएमई विकास संस्थान, जयपुर ने जीएम डीआईसी कोटा के साथ 15 जून 2021 को एमएसएमई योजनाओं पर'' जेसीआई

कोटा द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लिया और विभिन्न एमएसएमई योजनाओं पर चर्चा की । वेबिनार में कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

14. श्रीमती अनिला चौरड़िया ने अटल इनक्यूबेशन सेंटर–शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अपने व्यावसायिक विचारों के विकास के लिए एआईसी एसएनयू के एंड–टू–एंड समर्थन जीतने के लिए उद्यम चुनौती नई तकनीक स्टार्ट–अप या इच्छुक उद्यमियों के लिए एक बंद दरवाजे की प्रतियोगिता पर डेमो डे में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। नादर विश्वविद्यालय, एआईएम नीति आयोग, भारत सरकार, डसॉल्ट सिस्टम्स और एचसीएल टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रौद्योगिकी/ज्ञान भागीदारों के रूप में 'वेंचर चैलेंज' के चयनित कोहोर्ट स्टार्ट अप प्रदान करने के लिए 19 जून 2021 को आयोजित उनकी व्यावसायिक अवधारणाओं को साकार करने के लिए वैचारिक चरण से विस्तारित समर्थन प्रदान करता है। कुल 11 स्टार्ट अप ने वेंचर चैलेंज में भाग लिया और लगभग 70 प्रतिभागियों ने वेबिनार में भाग लिया। श्री वी के शर्मा, निदेशक एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने भारतीय एमएसएमई–अर्थव्यवस्था के विकास इंजन पर वीसी में भाग लिया। उद्घाटन सत्र एमएसएमई, भारत सरकार के मंत्री द्वारा लिया गया था और 28 जून 2021 को एमएसएमई और पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन राज्य मंत्री द्वारा शोभा बढ़ाई गई थी।

15. श्री वी.के.शर्मा, निदेशक एमएसएमई विकास संस्थान जयपुर ने भारतीय एमएसएमई ग्रोथ ईम्स ऑफ इकोनॉमी पर वीसी में भाग लिया। उद्घाटन सत्र एसएसएमआई और पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन राज्य मंत्री द्वारा ए 8 जून 2021 को लिया गया था।

16. निदेशक, श्री विजय कुमार शर्मा, एमएमसएमई–विकास संस्थान जयपुर और श्री आर. एस.दहिया, सहायक निदेशक ने 18 जून, 2021 को स्टोन एंड मार्बल मूर्ति कला क्लस्टर, गोला का बास, अलवर के सीएफसी का दौरा किया और वर्तमान में वहां की परिचालन सुविधाओं को देखा ताकि जानकारी हो सके। इसके लाभ उठाने के लिए मार्बल मूर्ति कला कारीगरों और एमएसएमई को प्रसारित किया गया। उन्होंने भानगढ़ और थाना गाजी मे मूर्ति कला के पास के कारीगर समूह का भी दौरा किया और कुछ उद्यमियों और कारीगरों के साथ SFURTI के तहत परीक्षण, विपणन और प्रसंस्करण के लिए सीएफसी की व्यवहार्यता की खोज के लिए चर्चा की क्योंकि लगभग 500 कारीगर हैं।

17. निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने 15.07.2021 को सीआईआई, राजस्थान द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया, जिसमें कोविड–19 के दौरान और उसके बाद उद्योग को समर्थन देने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया गया।

18. श्री के.सी. मीना, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने 22.07. 2021 से 23.07.2021 तक डब्ल्यूटीसी, जयपुर के सहयोग से औद्योगिक प्रेरणा अभियान पर 2 दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। पहले दिन प्रतिभागियों को एकल उपयोग प्लास्टिक से वैकल्पिक सामग्री में सरकारी सहायता और संक्रमण पर ध्यान देने के साथ उद्यमिता को बढ़ावा देने से अवगत कराया गया और दूसरे दिन प्रतिभागियों को परियोजना की तैयारी के साथ विपणन और निर्यात से अवगत कराया गया। वेबिनार से आईआईएस विश्वविद्यालय एवं कनोदिया कॉलेज के कुल 65 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

19. श्री के.सी. मीना सहायक निदेशक , एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर ने 28.07. 2021 से 29.07.2021 तक एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर और डब्ल्यूटीसी, जयपुर के सहयोग से औद्योगिक प्रेरणा अभियान अभियान पर 2 दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। पहले दिन प्रतिभागियों को एकल उपयोग प्लास्टिक से वैकल्पिक सामग्री में सरकारी सहायता और संक्रमण पर ध्यान देने के साथ उद्यमिता को बढ़ावा देने से अवगत कराया गया और दूसरे दिन प्रतिभागियों को परियोजना की तैयारी के साथ विपणन और निर्यात से अवगत कराया गया। वेबिनार मे कुल 165 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

20. निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर ने भारत में एमएसएमई क्लस्टर की ऊर्जा और संसाधन मानचित्रण पर भाग लिया–स्टील रिरोलिंग मिल सेक्टर ने दिनांक 26 जुलाई 2021 को बीईई का आयोजन किया और प्रतिभागियों के साथ विभिन्न एमएसएमई योजनाओं पर चर्चा की।

21. श्री दिनेश चंद, सहायक निदेशक एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर ने 05 अगस्त 2021 को उद्यम पंजीकरण –प्रक्रिया और डब्ल्यूटीसी, जयपुर के सहयोग से व्यापारिक गतिविधि को शामिल करने पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार से कुल 65 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

22. श्री वी.के शर्मा, निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने मुख्य अतिथि क रूप में 12 अगस्त 2021 को इनक्यूबेशन सेल और उद्यमिता विकास सेल, एसकेआईटी, जयपुर द्वारा आयोजित ''विचार, नवाचार और उद्यमिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला(आईआईआईई)''में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

23. श्री गौरव जोशी, संयुक्त निदेशक,टीएस, जयपुर ने 23 अगस्त, 2021 को एमएसएमई मंत्रालय, एपीईडीए, और आईआईएफपीटी, तंजावुर की योजनाओं और कार्यक्रमों पर कार्यशाला में भाग लिया। एमएसएमई मंत्रालय और एपीईडीए दोनों पक्षों के प्रयासों के अभिसरण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के कगार पर हैं। खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित निर्यात के क्षेत्र में एमएसएमई और स्टार्टअप का समर्थन करें।

24. श्री संजय मीना, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से 31 अगस्त, 2021 को ''इंडियन ऑयल में

खरीद नीति और विक्रेता चयन प्रक्रिया'' पर वेबिनार (वीडीपी) का आयोजन किया। कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

25. 09 सितंबर 2021 को बीआईएस प्रमुख, जयपुर शाखा–। सुश्री कनिका कालिया के साथ निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर के कार्यालय में, जिसमें निदेशक, श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक, एवं एमएसएमई टीएस जयपुर के अधिकारियों को संयुक्त रूप से उद्योगों के लाभ के लिए भविष्य में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक बैठक आयोजित की गयी।

26. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने 10 सितंबर 2021को एचवीवाई योजना के तहत राज्य स्तरीय कार्यशाला में एमएसएमई की वित्तीय योजनाओं पर एक भाषण दिया, जिसका आयोजन डीसी(एच) जयपुर द्वारा होटल मैरोगोल्ड, सीतापुरा जयपुर में किया गया था जिसमें 47 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्हें उद्यम पंजीकरण के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया और अन्य योजनाओं के तहत अन्य लाभों के साथ उद्यम पंजीकरण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

27. श्रीमती अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने एक पैनल स्पीकर के रूप में भाग लिया और हेडस्टार्ट नेटवर्क फाउंडेशन द्वारा 14 सितंबर, 2021 को हेडस्टार्ट नेटवर्क फाउंडेशन द्वारा आयोजित ''स्टार्ट टू इकोसिस्टम में महिलाएं'' पर एक वेबिनार में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

28. श्री अजय शर्मा, सहायक निदेशक, एवं श्री तरूण भटनागर, सहायक निदेशक ने 13. 09.2021 से 19.09.2021 तक एमएसएमई योजना मंत्रालय पर कार्यकारी विकास परीक्षण में भाग लिया। वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम एन आई एमएसएमई हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया था।

29. श्री गौरव जोशी, संयुक्त निदेशक; श्रीमती अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक एवं श्री ऋषि सेठ, अन्वेषक ने 20.09.2021 से 24.09.2021 तक एमएसएमई योजना मंत्रालय पर कार्यकारी विकास प्रशिक्षण में भाग लिया। वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एनआई–एमएसएमई हैदराबाद द्वारा किया गया था।

30. निदेशक ने 23 सितंबर 2021 को सीए एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधियों के साथए खंडेलवाल एंड एसोसिएट्स और श्री बिमल साहू एमएसएमई के बीच सीए एसोसिएशन द्वारा विभिन्न एमएसएमई योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के बारे में बैठक की।

31. श्री संजय मीना, सहायक निदेशक ने 27.09.2021 से 1.10.2021 तक एमएसएमई योजना मंत्रालय पर कार्यकारी विकास प्रशिक्षण में भाग लिया। वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एनआई एमएसएमई हैदराबाद द्वारा किया गया था।

32. दिनांक 08.10.2021 से 10.10.2021 तक आयोजित स्वयंसिद्ध हस्तशिल्प प्रदर्शनी के संबंध में निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर और लघु उद्योग भारती के

अधिकारियों और एमएसएमई की बोर्ड सदस्य श्रीमती अंजू सिंह के बीच 06.10.2021 को एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सहायक निदेशक श्री दिनेश चंद भी शामिल हुए।

33. 06.10.2021 को निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर और डीजीएम और मुख्य प्रबंधक, यूनियन बैंक के बीच एमएसएमई ऋण के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में श्री दिनेश चंद, सहायक निदेशक भी शामिल हुए।

34. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर 08.10.2021 को ''एकल उपयोग प्लास्टिक से वैकल्पिक सामग्री और प्रौद्योगिकी में संक्रमण'' पर वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में एमएसएमई के प्रबंधकों और शॉप फ्लोर इंजीनियरों, विशेषज्ञों, उद्यमियों और मेहमानों सहित कुल 73 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

35. खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की पीएमएफएमई योजना एक जिला एक उत्पाद योजना के संबंध में 22.10.2021 को निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर और राजस्थान कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। श्री गिरीश कुमार, सहायक निदेशक भी बैठक में शामिल हुए।

36. श्री वी.के.शर्मा, निदेशक ने 26.10.2021 को अनाज मिलिंग और प्रसंस्करण पर राजस्थान कृषि और विपणन बोर्ड और मिलिंग प्रौद्योगिकी के चोयल स्कूल द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लिया।

37. श्री गिरीश शर्मा, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने इस अभियान के तहत लम्बित मामलों के निस्तारण के लिए 02 अक्टूबर, 2021 तक आयोजित विशेष अभियान आयोजित किया गया है। 542 नग पुरानी फाइलों को हटाने और निपटाने के लिए पहचान की गई है। कार्यालय परिसर की सफाई के लिए विशेष अभियान का आयोजन किया गया।

38. श्रीमती अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक द्वारा अल्पसंख्यक कार्य विभाग एवं अभिगम विकास सेवाओं द्वारा 15 नवम्बर 2021 को आयोजित कौशल विकास एवं जागरूकता कार्यक्रम में शिल्प महिला निर्माता कंपनी के अल्पसंख्यक समूह महिलाओं को कौशल विकास एवं अन्य लाभों से कुल 45 महिलाएं लाभान्वित हुए।

39. श्रीमती अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक, ने 07 दिसंबर, 2021 को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर में राजीविका द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं पर प्रस्तुति दी। कार्यशाला राजीविका द्वारा गठित सामुदायिक संस्थानों द्वारा राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में स्टार्टअप गतिविधियों और लघु उद्योगों पर उन्मुखीकरण के संबंध में थी।

40. श्री वी.के. शर्मा, निदेशक, एवं श्री तरूण भटनागर, सहायक निदेशक ने दिनांक 13.12. 2021 को जोधपुर में आयोजित संगोष्ठी एवं उपकरण वितरण कार्यक्रम में भाग लिया।

41. श्री वी.के. शर्मा, निदेशक और श्री तरूण भटनागर, सहायक निदेशक ने एनएसएसएच–एससीएलसीएसएस और एनएसएसएच की अन्य योजनाओं के लिए जैसलमेर में 15.12.2021 को डीआईसीसीआई, जयपुर के सहयोग से आयोजित कार्यशाला/जागरूकता शिविर में भाग लिया।

42. श्री वी.के. शर्मा, निदेशक ने 16.12.2021 को जैसलमेर के विभिन्न उद्योग संघों के साथ एक बैठक की।

43. श्री वी.के.शर्मा, निदेशक ने बीआईटी, जयपुर द्वारा दिनांक 13 दिसंबर, 2021 को आयोजित 36वें प्लाजमा विज्ञान और प्रौद्योगिकी–2021 (प्लाज्मा–2021) पर पीएसएसआई राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

44. श्रीमती अनिला चौरड़िया, सहायक निदेशक ने 13 दिसंबर, 2021 को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान सभागार, जयपुर में राजीविका द्वारा आयोजित समूह सम्बल संवाद में एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में राज्य के क्लस्टर स्तरीय महासंघ की 100 महिला पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती अपर्णा अरोड़ा आईएएस और प्रमुख सचिव आरडी और पीआर विभाग ने की। कार्यक्रम में कुल 250 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।

45. श्री दिनेश चंद सोनी, सहायक निदेशक ने 16 दिसंबर, 2021 को सिडबी के साथ साझेदारी में प्योर इंडिया ट्रस्ट (एनजीओ) द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में 20 महिला उद्यमियों की यात्रा और सफलता को मान्यता देने और उन्हें उनके भविष्य के व्यापार विस्तार के लिए बैंकिंग सुविधाओं, मुद्रा ऋण और अन्य योजनाओं से अवगत कराने के लिए किया गया है।

46. श्री गिरीश शर्मा, सहायक निदेशक ने एमएसएमई मंत्रालय की योजना पर जीआई टैग डब्ल्यूआरटी के पंजीकृत उपयोगकर्ता के पंजीकरण के लिए कार्यशाला का व्याख्यान दिया। बगरू हैंड ब्लॉक पीआर का आयोजन 16.12.2021 को बगरू, जयपुर में किया गया।

47. जीआई टैग डब्ल्यूआरटी के पंजीकृत उपयोगकर्ता के पंजीकरण के लिए कार्यशाला में श्री गिरीश शर्मा, सहायक निदेशक ने एमएसएमई मंत्रालय की योजना पर वार्ता दी। जयपुर के ब्लू पॉटरी का आयोजन 16.12.2021 को कोट जेवर, जयपुर में किया गया।

48. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने 21.12.2021 को 02 दिनों में चमड़े के क्लस्टर, चाकसू के लिए डीसी हस्तशिल्प, सरकार द्वारा प्रयोजित शिल्प प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उद्घाटन टिप्पणी के अलावा, प्रतिभागियों को उद्यमिता/कारीगरों और कारीगरों के क्लस्टर विकास के लिए एमएसएमई और राज्य सरकार की मुख्य योजनाओं का प्रचार–प्रसार किया गया। कार्यक्रम से 98 महिला कारीगर लाभान्वित हुईं।

49. श्री गिरीश शर्मा, सहायक निदेशक ने 28.12.2021 को ''सरकारी योजनाओं और निधियों –व्यवसाय विकास को सक्षम करने'' पर कार्यशाला में निदेशक के साथ सीएसआईआर–सीरी पिलानी, जयपुर केंद्र का दौरा किया।

50. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक, जीएम डीआईसी, उदयपुर और यूसीसीआई, उदयपुर और प्रभारी विकास केंद्र, टीडीसी उदयपुर के साथ 28 दिसंबर, 2021 को एमएसई–सीडीपी योजना/स्फूर्ति के तहत क्लस्टर गठन के दायरे के बारे में बैठक, ओडीओपी के विवरण और विशिष्टता के बारे में चर्चा जेड प्रमाणीकरण के लिए पूर्व पंजीकरण और एमएसएमई के प्रसार के लिए विस्तार केंद्र उदयपुर में नवीनतम सुविधा के विकास का आकलन करने के लिए बैठक की।

51. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने 30 दिसंबर, 2021 को जीएम,डीआईसी बांसवाड़ा के साथ प्रमाणन, ओडीपी के विवरण और विशिष्टता के बारे में चर्चा के संबंध में बैठक की।

52. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने जेड प्रमाणीकरण के लिए 31 दिसंबर, 2021 को जेड के लिए पूर्व पंजीकरण पर जीएम, डीआईसी, ओडीओपी के विवरण और विशिष्टता के बारे में चर्चा के संबंध में प्रतापगढ़ के साथ बैठक की।

53. श्री वी.के. शर्मा, निदेशक के साथ श्री गिरीश शर्मा, सहायक निदेशक ने श्रीमती शकुन्तला रावत उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार की अध्यक्षता में 05 जनवरी 2022 को होटल मैरियट जयपुर में आयोजित जयपुर निवेशक शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

54. श्री वी.के. शर्मा, निदेशक ने वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान डीआई एंड टीसी/टीएस डिवीजन द्वारा निधि मंजूरी के खिलाफ व्यय के संबंध में 13 जनवरी 2022 को एमएसएमई–विकास संस्थान के साथ वीसी बैठक में भाग लिया।

55. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक, ने श्री गिरीश शर्मा, सहायक निदेशक के साथ, निदेशक श्री वी.के.शर्मा ने 31 जनवरी 2022 को बीएसडीयू महिंद्रा एसईजेड में एमओआरडी, भारत सरकार द्वारा प्रयोजित डीडीयू–जीकेवाई परियोजना प्रशिक्षुओं के लिए ''रोजगार के नए क्षेत्रों का विकास/रास्ते पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। निदेशक श्री वी.के.शर्मा, ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और 50 प्रतिभागियों को रोजगार के नए क्षेत्रों/रास्ते के बारे में संबोधित किया। इसके बाद अधिकारियों की टीम ने उनके साथ सुविधाओं का अध्ययन करने के लिए बीएसडी विश्वविद्यालय और जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी महेंद्र एसईजेड का दौरा किया और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में प्रचार–प्रसार किया। उनके साथ स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए योजनाएं और उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों के लिए फ्यूचर लिंकेज बनाने के लिए भी अवगत कराया।

56. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक के साथ श्री वी.के.शर्मा निदेशक ने 02 फरवरी 2022 को बग्रय हैंड ब्लाक प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज़ के लिए प्राकृतिक रंगो की संभावना और

भविष्य के बारे में संबोधित किया और आरएस दहिया, सहायक निदेशक के केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं को एमएसएमई के लाभ के लिए प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन मैसर्स इकोक्राफ्ट सोसायटी जयपुर द्वारा आयोजित और राज्य सरकार के रूडा द्वारा प्रयोजित किया गया। 90 प्रतिभागियों(80 महिलाओं एवं 10 पुरूषों ने शिवम रिसॉर्ट्स, रामचंद्र पुर , अजमेर रोड, बगरू, जयपुर में कार्यक्रम में भाग लिया।

57. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने 04 फरवरी 2022 को पोद्दार इंटरनेशनल कॉलेज, मानसरोवर, जयपुर में डीसी, हस्तशिल्प, वस्त्र मंत्रालय, जयपुर के कार्यालय द्वारा आयोजित एचवीवाई योजना के तहत 01 दिवसीय संगोष्ठी कार्यशाला में भाग लिया। श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं को एमएसएमई/कारीगरों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया। 50 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

58. श्री एम.के.मीना, संयुक्त निदेशक ने शिकायत निवारण सहित राज्य नियंत्रण कक्षों के प्रदर्शन की प्रगति और प्रचार, सफलता की कहानियां आदि की समीक्षा के संबंध में 14 फरवरी 2022 को संयुक्त सचिव (एएफआई) की अध्यक्षता में आयोजित राज्य चैंपियन नियंत्रण कक्ष के वीडियो सम्मेलन में भाग लिया।

59. श्री एम.के.मीणा, संयुक्त निदेशक ने वर्ष 2021–22 में 15 फरवरी 2022 करे एमएसएमई, नई दिल्ली द्वारा एनएसआईसी, और नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति हब योजना के तहत क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम की चयन समिति की बैठक और उद्घाटन में भाग लिया। उपर्युक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तीस उम्मीदवारों का चयन किया गया था।

60. श्री वी.के.शर्मा, निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने डीजीएम और आरएम रीको के साथ बैठक की। करौली महाप्रबंधक, डीआईसी और प्योर इंडिया ट्रस्ट संगठन के प्रतिनिधि के साथ दिनांक 16 फरवरी 2022 को आकांक्षी जिला करौली से संबंधित विकास गतिविधियों के संबंध मे, श्री दिनेश चंद, सहायक निदेशक ने उपरोक्त बैठक का समन्वय किया।

61. श्री एम.के.मीना, संयुक्त निदेशक श्री दिनेश चंद, सहायक निदेशक के साथ 25 फरवरी 2022 को सिटी पैलेस, जयपुर में ''स्वयंसिद्ध हस्तशिल्प प्रदर्शनी 2022'' का दौरा किया। प्रदर्शनी का अनुमोदन पीएमएस योजना के तहत किया जा रहा है जिसमें राजस्थान की 45 महिला एमएसएमई प्रदर्शकों ने अपने–अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

62. श्री एम.के.मीणा, संयुक्त निदेशक ने श्री दिनेश चंद सहायक निदेशक के साथ 25 फरवरी 2002 को सिटी पैलेस, जयपुर में समोधा हस्तशिल्प प्रदर्शनी 2022 का दौरा

किया। प्रदर्शनी को पीएमएस योजना के तहत अनुमोदित किया जा रहा है जिसमें रासीान की 45 महिला एमएसएमई प्रदर्शकों ने अपने–अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

63. श्री वी.के.शर्मा, निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर के साथ श्री गिरीश कुमार सहायक निदेशक ने 26.02.2022 को ''द मेंटर मीट–योग्यता संचालित मार्गदर्शन कार्यक्रम'' में निदेशक के साथ जेईसीआरसी विश्वविद्यालय जयपुर का दौरा किया और इस राउंड टेबल चर्चा में भाग लिया। राजस्थान और जेईसीआरसी विश्वविद्यालय के संदर्भ में प्रबंधन/व्यावसायिक शिक्षा के भविष्य को परिभाषित करने के लिए पुनः कल्पना पुनः संरचना और एक नया प्रतिमान बनाने पर तालिका चर्चा की।

64. श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक ने एकल उपयोग निर्यात के विकल्प पर एमएसएमई के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन पर एक वेबिनार में भाग लिया।

65. (एसयूपी) 26 फरवरी 2022 को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और सीपेट द्वारा वेबिनार का आयोजन संयुक्त रूप से किया गया था। वेबिनार में एसपीसीबी/पीसीसी, प्लास्टिक विनिर्माण संघों, एमएसएमई विकास संस्थान, सीपेट क्षेत्रीय केंद्रों और सीपीसीबी क्षेत्रीय निदेशालयों सहित विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया।

66. पीएमएस योजना के तहत घरेलू मेला शुल्क प्रतिपूर्ति के कुल 110 यूनिट के मामलों में से एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर द्वारा भेजा गया है।

67. श्री वी.के. शर्मा, जेडी और एचओओ ने श्री आर.एस.दहिया, सहायक निदेशक के साथ दिनांक 02.03.2022 को एमएसएमई–टीसी भिवाड़ी की जीसी और पहली एजीएम की दूसरी बैठक में भाग लिया।

68. श्री वी.के. शर्मा, जेडी और एचओओ ने दिनांक 10.03.2022 को माननीय एमएसएमई मंत्री द्वारा एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम पर ऑनलाइन लॉन्च इवेंट में भाग लिया।

69. श्री एम.के.मीना, संयुक्त निदेशक ने 10.03.2022 से 13.03.2022 तक प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर 3 दिवसीय आवासीय जागरूकता कार्यशाला में भाग लिया। श्री एम.के. मीना ने एमएसएमई योजनाओं और स्वरोजगार पर व्याख्यान दिया । उक्त कार्यशाला में राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों की 106 महिलाओं ने भाग लिया।

70. श्री एम.के. मीना, संयुक्त निदेशक ने 14.03.2022 से 16.03.2022 तक प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर 3 दिवसीय आवासीय जागरूकता कार्यशाला में भाग लिया। श्री एम.के.मीना ने एमएसएमई योजनाओं और स्वरोजगार पर व्याख्यान दिया। उक्त कार्यशाला में राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों की 96 महिलाओं ने भाग लिया।

71. सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर श्री एम.के.मीना, संयुक्त निदेशक ने दिनांक 14.03. 2022 को राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ बैठक की।

72. एमएसएमई–विकास संस्थान–जयपुर, ने 16.03.2022 को ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के तहत एमएसएमई क्षेत्र के लिए योजनाओं के संदर्भ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 156 एमएसएमई भाग लेते हैं।

3.6 राज्य चैंपियंस कंट्रोल रूम

01 जून 2020 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए आउटपुट और राष्ट्रीय शक्ति (चैंपियंस) पोर्टल को बढ़ाने के लिए राज्य के नियंत्रण कक्ष का निर्माण और आधुनिक प्रक्रियाओं का सामंजस्यपूर्ण अनुप्रयोग, छोटी इकाइयों को मदद करके और छोटी इकाइयों को बड़ा बनाने के लिए एक आईसीटी आधारित प्रौद्योगिकी प्रणाली है। उन्हें संभाल कर रखना। हब एंड स्पोक मॉडल में नियंत्रण कक्षों का एक नेटवर्क बनाया गया है जहां हब एमएसएमई मंत्रालय, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थित है, जबकि प्रवक्ता राज्यों में मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों और संस्थानों में स्थित है। नई दिल्ली में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष और 68 राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं जो वित्त, बाजार पहुंच, प्रौद्योगिकी उन्नयन, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में एमएसएमई को स्थानीय स्तर पर हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। एमएसएमई में राज्य चैंपियंस नियंत्रण कक्ष–तब से विकास संस्थान जयपुर को कोविड संकट के समय एमएसएमई की मदद करने और उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन बनने में मदद के लिए चालू किया गया था।

मंच की मुख्य विशेषताएं–

1. सूचना प्रसारः एमएसएमई क्षेत्र के हाल के विकास पर नियमित अद्यतन।

2. शिकायतों के त्वरित जवाब के लिए मंत्रालय के अधिकारियों की योजनावार मैपिंग। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान 446 शिकायतें प्राप्त हुई हैं और उन्हें सफलतापूर्वक हल किया गया है और संबंधित विभाग को टेलीफोन द्वारा अनुरोध और ई–मेल द्वारा रिटर्न के साथ अग्रेषित किया गया है। उपरोक्त शिकायतों को विभिन्न श्रेणियों अलग किया गया है, वह हैं– एमएसएमई योजनाएं/यूएएम/उद्यम पंजीकरण/एमएसएमई की परिभाषा, एमएसएमई विकास संस्थान और विकास आयुक्त से संबंधित वित्त – एमएसएमई कार्यालय, आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित नई योजनाएं, सार्वजनिक खरीद नीति, परीक्षण और गुणवत्ता केंद्र, आदि आसान पहचान और बेहतर समाधान के लिए।

3. इस वित्त वर्ष के दौरान 06 सफल सफलता की कहानियों की रिपोर्ट की गई। यूनिट द्वारा प्रदान की गयी सहायता और सहायता का विवरण इस प्रकार है–

क्र. स.	इकाई का नाम	उद्योगो का वर्ग	उद्यमी के शब्दों से एमएसएमई–विकास संस्थान द्वारा प्रदान की गई सहायता	वर्ग	ई–मेल
1	द बन्ना, गुर्जर की ठाढ़ी, जयपुर	सूक्ष्म	एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण के माध्यम से, मुझे काम शुरू करने की प्रेरणा मिली, हमनें	महिला	thebaana@gmail.com

			यहां निर्यात के दस्तावेजीकरण के बारे में सीखा और फिर अपना निर्यात व्यवसाय शुरू किया मुझे पहले ही हैंड ब्लाक प्रिंटिंग के काम का अनुभव था, इसलिए मैंने इन उत्पादों को निर्यात करने के लिए शुरू किया। एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने हमेशा इस व्यवसाय को चलाने में मेरी मदद की।		
2	इंडिया डिजिटल सल्यूशन–115 बी सिटी सेंटर काम्प्लेक्स , संसार चंद रोड, जयपुर–302001	सूक्ष्म	एमएसएमई विकास संस्थान, जयपुर ने ईएपी प्रशिक्षण द्वारा व्यवसाय को बढ़ाने में मेंरी मदद की। प्रशिक्षण के दौरान, मुझे सरकार के बारे में जानकारी मिली। पंजीकरण प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन और प्रबंधन अवधारणा आदि, जिसके कारण मुझे अपना सेवा आधारित उद्यम शुरू करने का साहस मिला। इस कार्यक्रम में मुझे कई सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी योजनाओं के बारे में पता चला, जो मुझे अपने व्यवसास को बढ़ाने में मदद करती है। एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने हमेशा मेरा व्यवसाय नियमित रूप से चलाने में मेरी सहायता की	ओबीसी	brijesh14352@gmail.com

			है।		
3	एआरजी एंटरप्राइजेज़, बोरडीवालों की ढाणी, भंकरोता जयपुर	सूक्ष्म	एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा व्यवसाय स्टार्टअप के लिए अपना व्यवसाय और ज्ञान शुरू करने के लिए मेरी मदद की।	ओबीसी	Jangirsubhash741@gmail.com
4	स्वप्नजीज एंटरप्राइज़ेज, 23 अर्जुनपुरी, इमलीवाला फाटक, जयपुर –302005	सूक्ष्म	एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग पर प्रशिक्षण में भाग लेने के बाद और एमएसएमई–विकास संस्थान जयपुर के अधिकारियों के मार्गदर्शन में मुझे अपना उद्यम शुरू करने का साहस मिला।	एसटी	swapnjeet@gmail.com
5	अक्षय बुटीक, अक्षय वेटीमेंट्स शॉप–4, प्लॉट नं. 29, चर्च रोड, महात्मा गांधी नगर, डीसीएम, अजमेर रोड, जयपुर–302021 राजस्थान	सूक्ष्म	इस प्रशिक्षण के बाद हमने अपने व्यवसाय का विस्तार किया और भारतीय बाजार में स्थान प्राप्त किया है। अब अक्षय बुटीक एक सफल ब्रांड के रूप मे जाना जाता है।	महिला	akshayavetements@gmail.com

4. एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर द्वारा की गई महत्वपूर्ण कोविड संबंधित कार्रवाईः

- उद्योग संघों के साथ मिलकर का किया और बैंक ऋण, उद्यम पंजीकरण, ई–पास और जीएसटी के लिए हाथ से समर्थन प्रदान किया।
- मास्क, पीपीई किट आदि के निर्माण के लिए कच्चे माल की खरीद के लिए एमएसएमई इकाइयों की मदद करने में राज्य सरकारों के साथ काम किया।
- विभिन्न हितधारकों जैसे उद्योग संघों, चैंबर ऑफ कॉमर्स, राज्य सरकार की एजेंसियों, बैंकों, एमएसएमई इकाइयों के साथ चुनौतियों का सामना करने के

लिए चर्चा की। महामारी के दौरान एमएसएमई क्षेत्र द्वारा और उन चुनौतियों को दूर करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की।

- सरकार की योजनाओं के तहत बैंकों से ऋण प्राप्त करने के लिए एमएसएमई इकाइयों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया और शिकायत निवारण के लिए स्थानीय केंद्र बिंदु रहा है।

अ. एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, भिवाड़ी

एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, भिवाड़ी

आधुनिक टूल रूम सुविधाएं देश के औद्योगिक विकास के लिए अपरिहार्य है और उचित रूप से प्रशिक्षित जनशक्ति राष्ट्र के लिए एक संपत्ति है। भारत सरकार ने देश में उद्योग के विकास के लिए सही प्रोत्साहन प्रदान करने के अपने प्रयास में –विशेष रूप से एमएसएमई की मदद करने के उद्देश्य से एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र भिवाड़ी की स्थापना की है। एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र, भिवाड़ी टूलिंग और संबंधित क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता उपकरण, प्रशिक्षित कार्मिक, और परामर्श प्रदान करके उद्योग के संबंधित क्षेत्रों के एकीकृत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और लगातार नई सीमाओं को पार कर रहा है। उत्कृष्टता और उससे आगे की तलाश में संगठन भिवाड़ी में स्थित अपने प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण के अपने कार्यक्रम को लागू करता है। अत्याधुनिक टूल रूम सुविधाएं । एक ही छत के नीचे अत्याधुनिक मशीनों के विस्तृत स्पेक्ट्रम हैं जिनके नवीनतम और उन्नत सीएनसी खराद, मिलिंग, ईडीएम और वायर कट मशीन, सीएमएम, 5 एक्सिस मशीनिंग सेंटर शामिल हैं जो ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

एमएसएमई–प्रौद्योगिकी केंद्र भिवाड़ी का उद्घाटन श्री गटकरी जी, माननीय एमएसएमई और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार के ऑनलाइन मोड के माध्यम से 31 अगस्त 2020 को श्री प्रताप चंद सारंगी, माननीय मंत्री भारत सरकार के लिए राज्य के एमएसएमई और पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन, श्री महंत बालकनाथ, संसद सदस्य और श्री संदीप यादव, विधायक, सचिव एमएसएमई, श्री ए.के. शर्मा आईएएसा, एएस और विकास आयुक्त (एमएसएमइ), श्री डी.के.सिंह, आईएएस, श्री प्रशादी लाल मीना, माननीय उद्योग मंत्री अपने जयपुर कार्यालय से उद्घाटन समारोह में शामिल हुए और उद्घाटन भाषण दिया।

सहायक सचिव एवं विकास आयुक्त श्री डी.के.सिंह आईएएस एवं एडीसी, श्री पीयूष श्रीवास्तव आईईएस ने 29.01.2021 को एमएसएमई टीसी, भिवाड़ी का दौरा किया और टीसी भिवाड़ी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की और इसके कामकाज की समीक्षा करने और उद्योग संघों के साथ बैठक करने के लिए विभिन्न उद्योग संघों, रीको और डीआईसी के साथ बैठक की और भिवाड़ी के कई इंजीनियरिंग उद्योग और खिलौना क्षेत्र भिवाड़ी की 03 इकाइयां भिवाड़ी में सीएफसी स्थापित करने के लिए क्लस्टर गठन की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए दौरा किया। बैठक में निदेशक श्री वी.के.शर्मा और नोडल अधिकारी आर.एस. दहिया, सहायक निदेशक, एमएसएमई–विकास संस्थान, जयपुर बैठक में शामिल हुए।

खण्ड – 4

एसएसएमई टेस्टिंग स्टेशन

4.1 एमएसएमई–टेस्टिंग स्टेशन, जयपुर

भारत सरकार एमएसएमई मंत्रालय ने एमएसएमई इकाइयों को परीक्षण सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से देश में विभिन्न स्थानों पर परीक्षण स्टेशन स्थापित किए हैं ताकि वे स्वीकार्य मानक विनिर्देशों के अनुरूप सामान का निर्माण कर सकें और विभिन्न सरकारी/निजी को तीसरे पक्ष का आश्वासन भी प्रदान कर सकें। गुणवत्ता के उन्नयन के क्षेत्र में एजेंसियों और एमएसएमई की मदद करें।

हम एमएसएमई परीक्षण स्टेशन पर मानते हैं कि नवीनतम तकनीक के साथ हमारे विभिध अनुभव हमें सर्वोत्तम परीक्षण परिणाम देने में मदद करते हैं। सार्वजनिक सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अनिवार्य रूप से हमें बाकियों से अलग करती है।

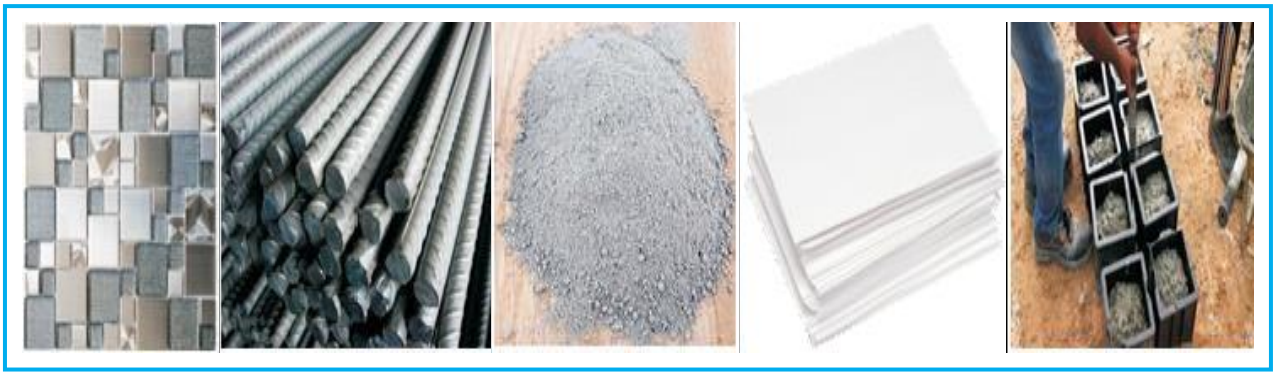

हम एमएसएमई को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमएसएमई–टीएस, जयपुर भारत सरकार संगठन होने के नाते मेक इन इंडिया कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

हमारा उद्धेश्य :

एमएसएमई परीक्षण केन्द्र गुणवत्ता दस्तावेजों/प्रक्रियाओं से अच्छी तरह से वाकिफ प्रशिक्षित कर्मियों को शामिल करके और राष्ट्र की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली की प्रभावशीलता में निरंतर सुधार करके अपने ग्राहकों केलिए परीक्षण सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतराष्ट्रीय मानक

हमारी वस्तुनिष्ठता :

- कामकाज में सार्वजनिक सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता है।
- ग्राहकों की संतुष्टि के वांछित स्तर तक परीक्षण रिपोर्ट की 'समयबद्ध' डिलीवरी सुनिश्चित करें।
- प्रशिक्षण द्वारा कौशल में वृद्धि, परीक्षण कर्मियों का प्रदर्शन।

- परीक्षण/अंशाकन कार्यक्षेत्र के विस्तार द्वारा सुसंगत परिणाम प्राप्त करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का उन्नयन/संवर्धन।

- ग्राहक के परीक्षण और/या अंशांकन ग्राहक आधार की गोपनीयता सुनिश्चित करना।

हमारे ग्राहक आधार :

हमारे ग्राहक आधार में यांत्रिकी, धातुकीय, रसायनिक, पेपर ग्लास और कॉच व मृतिका उद्योगों में विभिन्न एमसएसमई शामिल हैं। सरकारी संगठन अनुसंधान संस्थान उनमें से कुछ इस प्रकार है :

निजि संस्थान

- भास्कर स्टील
- प्रीमियर स्टील
- शर्मा स्टीम
- जिन्दल स्टील
- मंगला स्टील
- अन्य एमएसएमई

सरकारी उपक्रम

- केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
- लोक निर्माण विभाग
- जन स्वास्थ्य विभाग
- जयपुर विद्युत वितरण निगम
- जेएमसी
- जयपुर के राज्य सरकार के कार्यालय

प्रक्रिया

उपलब्ध परीक्षण सुविधाओं का लाभ उठाने के इच्छुक ग्राहक को परीक्षण आवश्यकताओं के विवरण के साथ इस केन्द्र के ग्राहक कक्ष की आवश्यकता होती है। क्लांट्स के अनुरोध पर सैंपल टेस्टिंग चार्ज की वांछित मात्रा और काम के लिए आवश्यक समय क्लाइंट को सचित किया जाता है।

ग्राहक प्रकोष्ठः

एमएसएमई–परीक्षण केन्द्र, जयपुर
यांत्रिक धातु विज्ञान परीक्षण में उपलब्ध सुविधाएं :

भारत और अंतराष्ट्रीय मानक विनिर्देशों के अनुसार लौह और अलौह सामग्री का भौतिक पैरामीटर परीक्षण।
(स्टील/बार/कोण/चैनल/एल्यूमिनियम आदि)

- तन्य शक्ति
- संपीड़न शक्ति
- 0.2 प्रतिशत सबूत तनाव/उपज निाव
- प्रतिशत बढ़ाव
- बैण्ड/रिबेंड टेस्ट
- लोड टेस्ट
- कठोरता टेस्ट
- आयाम और अन्य दृश्य पैरामीटर
- सुविधा : सार्वभौमिक परीक्षण मशीन (100 टन)

– रसायनिक परीक्षण :

- लौह और अलौह सामग्री और मिश्र धातुओं की रसायनिक सरंचना।
- सीमेंट के रासायनिक गुण जल कोटिंग मोटाई के रासायनिक गुण
- फ्लैश बिन्दु के रूप में सामान्य परीक्षण
- चिपचिपापन, नमी सामग्री, जल अवशोषण, राख सामग्री आदि।
- गुरूत्वाकर्षण, पीएच निर्धारण, घनत्व आदि
- सुविधा : ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर,

पेपर टेस्ट :

- जीएसएम
- ग्लास
- अपारदर्शिता
- चमक
- घनत्व
- पीएच ताकत
- नमी सामग्री
- राख सामग्री
- कोब टेस्ट वैक्सपिक

नागरिक निर्माण सामग्री परीक्षण
सीमेंट, घन, ईंटें और समुच्चय

- विशिष्ट सतह पर फिटनेस
- सेटिंग समय
- चेटेलियर विधि द्वारा सुदृढ़ता
- आटोक्लेव विधि द्वारा सुदृढ़ता
- संपीड़न शक्ति

सुविधा : मोल्डिंग मशीन, संपीड़न परीक्षण मशीन, अबरा प्रभाव परीक्षण मशीन, चलनी शेकर इत्यादि।

50MT

50MT

200MT

- टाइल टेस्टिंग
- डाइमेंशन्स
- स्ट्रेटनेस
- स्क्वायरनेस
- सरफेस फ्लैटनेस वारपेज टेस्ट
- ब्रेकिंग स्ट्रेग्थ
- स्क्रैच, हार्डनेस, इंपैक्ट
- रेसिजटेंस, क्रेजिंग रेसिस्टेंट सरफेस क्वालिटी
- एमओआर टेस्टिंग एम/सी सरफेस रेक्टेंगुलर,कर्वेचर, स्ट्रेटनस)टेस्टिंग

वर्ष 2021–22 की नई उपलब्धियां

वर्ष 2021–22 में एमएसएमई परीक्षण स्टेशन, जयपुर में निम्नलिखित नई मशीनों की खरीद की गयीः

साल्ट स्प्रे चैम्बलेट

डिजिटल थिकनेस टेस्टर

सीटीएम मोडिफिकेशन लोड बियरिंग